जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, रविवार 14 दिसम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

रिटेलर हो या कस्टमर

कॉल लगाओ गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

सुपरमार्केट चार पहियों पर घर आएगा

FIXED PRICE

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल

- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल

- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना

- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी

- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- तिल का तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- गुड़ पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

27000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

अरावली में घासभूमियों का पुनर्स्थापन

अरावली पर्वतमाला के घासभूमियाँ या घास के मैदान जैव विविधता एवं आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। ये सैकड़ों वनस्पति एवं जीव प्रजातियों का आवास प्रदान करती हैं तथा स्थानीय पशुपालक समुदायों को चारा व आजीविका उपलब्ध कराती हैं। घासभूमियों की पारिस्थितिक सेवाओं में मिट्टी का संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण, कार्बन संचयन एवं मरुस्थलीकरण को रोकना शामिल है। एक अध्ययन में राजस्थान की घासभूमियों में 375 से अधिक पादप प्रजातियाँ दर्ज की गईं, जो इन पारिस्थितिकियों की समृद्ध जैव-विविधता दर्शाता है।

इतने महत्त्व के बावजूद घासभूमियों को नीति एवं प्रबंधन में लम्बे समय तक 'बंजर भूमि' समझने की भूल होती रही है। औपनिवेशिक काल में ब्रिटिश हुकूमत ने जिन खुली चरागाह भूमि को वाणिज्यिक वानिकी हेतु अनुपयोगी पाया, उन्हें बंजर घोषित कर दिया था। आज़ादी के बाद भी यह दृष्टिकोण काफी हद तक बना रहा।

अरावली क्षेत्र की घासभूमियों की परिस्थितियाँ राज्य के अन्य भागों से भिन्न हैं। अरावली पहाड़ियों में घासभूमियाँ प्राय: खंडित रूप में जंगलों में मिलती हैं।विस्तृत समतल चारागाह अधिकतर पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों में हैं। कुल मिलाकर राजस्थान की घासभूमियाँ अत्यधिक जैव-विविध हैं, और कुछ अरावली से संबद्ध घास के मैदानों में प्रजाति-विविधता सबसे अधिक पाई गई है।

घासभूमियों के क्षरण के अनेक कारण रहे हैं। भूमि-उपयोग परिवर्तन और बढ़ता दबाव एक प्रमुख कारण है – बढ़ती मानव व पशु आबादी ने चारागाहों पर अत्यधिक भार डाल दिया है। कई घासभूमि क्षेत्रों को कृषि, उद्योग या शहरी विकास के लिए बदल दिया गया, और कुछ में खनन व अतिक्रमण से गंभीर क्षित हुई। साथ ही, वनों पर केंद्रित नीतियों ने घासभूमियों पर वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया है। हरित आवरण बढ़ाने के राष्ट्रीय लक्ष्य पूरे करने के लिए घासभूमि पर वृक्ष लगाना एक आसान तरीका समझा गया।

घासभूमियों में आक्रामक गैर-स्थानिक पौधों का प्रसार एक और बड़ी चुनौती है। राजस्थान और अरावली क्षेत्र में विलायती बबूल एक प्रमुख आक्रांता है जिसने बड़े इलाके में फैले खुले चरागाहों को घने कांटेदार झाड़-झंखाड़ में बदल दिया है। इसके अतिक्रमण से घास और स्थानिक फ़ोर्ब प्रजातियाँ दब जाती हैं तथा पारिस्थितिक सेवाएँ प्रभावित होती हैं। घासभूमि पर बाहरी वृक्षों/झाड़ियों के छा जाने से पानी का संतुलन बिगड़ता है – गहरी जड़ों वाली सदाबहार झाड़ियाँ भू-जल का अत्यधिक उपयोग कर वाष्पीकरण बढ़ा देती हैं, जिससे शुष्क क्षेत्रों में सतही जल उपलब्धता घटती है। हाल के एक अध्ययन में पाया गया कि जिन पहाड़ी जलग्रहण क्षेत्रों में देशज घासभूमि के स्थान पर आक्रामक पेड़ों ने कब्जा कर लिया, वहाँ भारी वर्षा पर मिलने वाला बाढ़-प्रवाह कई गुणा अधिक हो गया। निष्कर्षत: घासभूमि को वृक्षों से ढँक देने पर पर्वतीय क्षेत्रों में बाढ़ व तेज़ बहाव का जोखिम बढ़ सकता है। इससे संकेत मिलता है कि अरावली में अगर घासभूमि को प्राकृतिक स्वरूप में बहाल रखा जाए तो यह अतिवृष्टि की स्थिति में पानी को भूमि में सोखकर बाढ़ नियंत्रित करने में मददगार होगा।

इन चुनौतियों के बीच घासभूमि पारिस्थितिकी का पुनरुद्धार अत्यावश्यक है। पारिस्थितिक दृष्टि से घासभूमि का स्वस्थ होना जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और शमन दोनों में योगदान दे सकता है। वैश्विक स्तर पर घासभूमियाँ पृथ्वी के स्थलीय कार्बन भंडार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा संग्रहीत करती हैं, जिसमें करीब 90 प्रतिशत कार्बन भूमिगत जड़ों एवं मिट्टी में रहता है। अत: घासभूमि बहाली से भारी मात्रा में कार्बन मिट्टी में बाँधकर रखने में सहायता मिलेगी, जो एक महत्वपूर्ण जलवायु लाभ है। साथ ही, घासभूमि में प्रजातियों की विविधता बढ़ने से पौधों द्वारा भूमिगत कार्बनिक पदार्थ और सूक्ष्मजीव पदार्थ (मृतजीव द्रव्य) का योगदान बढ़ता है, जिससे मिट्टी में कार्बन स्थायी रूप से जमा होता है। जैव-विविधता की बहाली – विशेषकर तरह-तरह की घासों व चौड़ी पत्ती वाली जड़ी-बूटियों की उपस्थिति – मिट्टी की संरचना सुधार कर जल-धारण क्षमता बढ़ाती है। घने घास आवरण वर्षा के जल को भूमि में सोखकर भू-जल स्तर सुधारता है, मिट्टी कटाव रोकता है तथा सूखे के दौरान भी भूमि को खुली बंजर होने से बचाकर स्थानीय जलवायु को मंद बनाए रखता है।

घासभूमि पुनर्स्थापन की कार्यनीतियों में सबसे पहला कदम आक्रामक वृक्षों को नियंत्रित करना है। शोध से प्रमाण मिला है कि यदि यांत्रिक उपायों से जड़ सहित हटाया जाए तो घासभूमि की देशज वनस्पति तीव्रता से लौटने लगती है। गुजरात के बन्नी घासभूमि में 4 वर्ष तक हुए एक प्रयोग में विदेशी बबूल को पूरी तरह उखाड़ने वाले भूखंडों में शाकीय प्रजाति विविधता व आवरण नियंत्रण की तुलना में तीन से छह गुना तक बढ़ गया, जबकि केवल शाखाओं की छंटाई करने से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ा। अत: जहां संभव हो, प्रोसोपिसका पूर्ण निष्कासन श्रेष्ठ पारिस्थितिक परिणाम देता है। हालांकि बड़े भौगोलिक क्षेत्र पर ऐसा करना खर्चीला है और प्रोसोपिस से कुछ स्थानीय लाभ (ईंधन) भी जुड़े हैं। इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की ज़रूरत है और क्रमिक रूप से हटाया जा सकता है।

पुनर्स्थापन में यह सुनिश्चित करना होगा कि केवल घास ही नहीं, बल्कि घासभूमि में पाई जाने वाली अन्य देशज जड़ी-बूटियाँ (फ़ोर्ब्स) भी वापस आएँ। पुरानी घासभूमियों में फ़ोर्ब प्रजातियाँ कुल वनस्पति विविधता का बड़ा हिस्सा होती हैं और पारिस्थितिकी सेवाओं व चारा आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। ये प्रजातियाँ आग, चराई, सूखा व पाला जैसे तनावों को सहकर घासभूमि की कार्यात्मक विविधता बनाए रखती हैं, फिर भी अब तक घासभूमि प्रबंधन में इनके संरक्षण पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया है। अत: बहाली योजनाओं में घासों के साथ-साथ महत्वपूर्ण फ़ोर्ब प्रजातियों के बीजों का रोपण व प्रसार पर बल दिया जाए, ताकि संपूर्ण जैव-विविधता लौट सके। यदि कुछ बहुमूल्य बहुवर्षीय घास या फ़ोर्ब प्रजातियाँ प्राकृतिक रूप से पुनरावर्तन में कठिनाई महसूस कर रही हों तो उनकी सक्रिय पुनर्नस्थापपना (री-इंट्रोडक्शन) के उपाय करने चाहिए। उदाहरण के लिए पुराने सुरक्षित घास के मैदानों से अलग-अलग पट्टियों से ऊपर की 15 सेंटीमीटर मिट्टी लाकर पुनर्स्थापन क्षेत्र में बिखेरने से मृदा का सीड-बैंक भी आ जायेगा। ध्यान यह रखना है कि प्राचीन और सुरक्षित घास के क्षेत्रों से मिट्टी पूरी सतह से नहीं बल्कि पट्टियों के रूप में लाई जाए। महाराष्ट्र के अनुभव बताते हैं कि घास की विविध प्रजातियों को पौधशाला में उगाकर पुनर्स्थापन क्षेत्र में रोपित करना भी एक विकल्प है।

घासभूमि पुनर्स्थापन केवल पारिस्थितिकी का नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता का भी विषय है। घासभूमियाँ सदियों से स्थानीय चरागाहारों, पशुपालकों और आदिवासी समुदायों की आजीविका का आधार रही हैं, इसलिए इनके पारंपरिक ज्ञान और भागीदारी के बिना पुनरुद्धार सफल नहीं हो सकता। समुदायों को साथ लेकर चलने के लिए भागीदारीपूर्ण तरीके अपनाने होंगे।

घासभूमि पुनर्स्थापन केवल पारिस्थितिकी का नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता का भी विषय है। घासभूमियाँ सदियों से स्थानीय चरागाहारों, पशुपालकों और आदिवासी समुदायों की आजीविका का आधार रही हैं, इसलिए इनके पारंपरिक ज्ञान और भागीदारी के बिना पुनरुद्धार सफल नहीं हो सकता। समुदायों को साथ लेकर चलने के लिए भागीदारीपूर्ण तरीके अपनाने होंगे। गुजरात के बन्नीघास के मैदानों में प्रोसोपिस निष्कासन एक विवादित मुद्दा रहा है, क्योंकि प्रोसोपिस ने जहाँ पारिस्थितिकी को बदला है वहीं कुछ लोगों की आय का स्त्रोत भी बन गया है।

प्रोसोपिस हटाने से चरागाह बढ़कर पशुधन संख्या व दुग्ध उत्पादन आय में लंबे समय में वृद्धि होगी, लेकिन इस पर निर्भर कोयला/ईंधन आय खत्म होने से कुछ परिवारों को वैकल्पिक आजीविका की आवश्यकता पड़ेगी। इन निष्कर्षों से जाहिर है कि घासभूमि पुनर्स्थापन करते समय समुदाय की आजीविका और जोखिम प्रबंधन की योजना साथ-साथ बनानी चाहिए। जिन लोगों पर प्रारंभिक समय में प्रतिकूल असर पड़े, उनके लिए वैकल्पिक रोज़गार/आय के स्त्रोत विकसित करना और मौसम आपदा की स्थिति में सामाजिक सुरक्षा प्रबंधन करना आवश्यक होगा। स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही ऐसे लाभ-हानि के संतुलन साधे जा सकते हैं।

शासन स्तर पर भी सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में घासभूमि संरक्षण की ज़िम्मेदारी कई विभागों में बंटी होने से स्पष्ट नेतृत्व का अभाव है। कुछ घासभूमि क्षेत्र वन विभाग के अधीन हैं, कई चरागाह राजस्व या पंचायती भूमि में हैं, तथा कुछ भूमि को कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं के तहत अलग दिशा में उपयोग किया जाता है। इस विभाजित प्रबंधन के कारण घासभूमियाँ उपेक्षित या विरोधाभासी नीतियों का शिकार हो जाती हैं।

ज़रूरत है एक समेकित नीति की, जिसमें घासभूमियों को एक स्वतंत्र व मूल्यवान पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में मान्यता मिले। सरकार की भाषा में 'बंजर भूमि' शब्दावली को हटाकर इसे बदलने हेतु औपचारिक कदम उठाए जाने चाहिए। राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर स्पष्ट रूप से घासभूमि संरक्षण व पुनरुद्धार के लक्ष्य निर्धारित हों। वन क्षेत्र बढ़ाने के लक्ष्यों में संशोधन कर यह सुनिश्चित किया जाए कि प्राकृतिक घासभूमियों को वृक्षारोपण से आच्छादित करने की गलती न हो। घासभूमि प्रबंधन में नियंत्रित आग एवं नियंत्रित चराई जैसे पारंपरिक तरीकों को शामिल करना चाहिए, क्योंकि इन्हीं प्रक्रियाओं ने कई घासभूमियों को सहस्त्राब्दियों तक बनाए रखा है। ग्राम-स्तर पर परंपरागत चरागाह प्रबंधन (जैसे चौमासा बंदी, चरणबद्ध चराई, आदि) के अनुभवों को भी आधुनिक योजनाओं में समाहित करना उचित होगा। पुनरुद्धार कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों को रोज़गार और निर्णय-निर्धारण भूमिकाओं में सम्मिलित करके उनकी भागीदारी और हित सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

अरावली क्षेत्र के संदर्भ में पुनर्स्थापन करते समय कुछ तकनीकी बातों पर ध्यान देना होगा। यहाँ वर्षा अत्यधिक अनियत है – कभी अत्यल्प तो कभी अतिशय – इसलिए ऐसे देशज घास एवं फ़ोर्ब प्रजातियों का मिश्रण रोपित करना होगा जो सूखे व अति-वर्षा दोनों परिस्थितियों में टिक सकें। खारे व दलदली स्थलों के लिए विशिष्ट सहनशील प्रजातियों का चयन करना होगा – जैसे सांभर की खारी भूमि में स्यूडा जैसी लवण-सहिष्णु झाड़ी ताकि ये कठिन परिस्थितियों में भी पनपें। अरावली की ढलानों पर मिट्टी कटाव रोकने हेतु पुनरुद्धार के साथ कंटूर बांध, पत्थर कतार आदि संरक्षण उपाय करने चाहिए ताकि नई घासों की जड़ें मजबूत हो सकें। प्रारंभिक चरण में पुनर्स्थापित चारागाह क्षेत्रों को अत्यधिक चराई से बचाने के लिए कुछ समय तक संरक्षण देना पड़ेगा; समुदाय की सहमति से अस्थायी घेराबंदी कर पौध स्थापित करें, फिर चरणबद्ध ढंग से नियंत्रित चराई की अनुमति दें ताकि चरागाह और पशुधन दोनों टिकाऊ रहें।

निष्कर्षत: अरावली क्षेत्र में घासभूमि पुनरुद्धार एक बहुआयामी अभियान है, जो पारिस्थितिकी, समाज और शासन – तीनों के समन्वित प्रयास से ही सफल होगा। शोध स्पष्ट करते हैं कि घासभूमियाँ 'बंजर' नहीं बल्कि समृद्ध और प्राचीन पारिस्थितिकी तंत्र हैं, जिनके बहाली से जलवायु अनुकूलन व शमन, जैव-विविधता संरक्षण और समुदायों की आजीविका – तीनों उद्देश्यों में लाभ होगा। हाल ही में इस विषय पर तकनीकी जानकारी साझा करने हेतु वन विभाग राजस्थान और द नेचर कंसेर्वेंसी (टीएनसी) द्वारा अरावली के जिलों में कार्य करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों हेतु एक कार्यशाला आयोजित हो रही है। आशा की जाती है कि इससे अरावली में लगभग 35,000 हेक्टेयर घास के मैदानों के पुनर्स्थापन हेतु उपयोगी जानकारी का आदान-प्रदान होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में बदलता हुआ शिक्षा का परिदृश्य: राष्ट्र निर्माण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका

अशोक कुमार

आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केवल विज्ञान कथाओं का हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और कार्यप्रणाली का एक अभिन्न अंग बन चुका है। शिक्षा का क्षेत्र भी इस क्रांति से अछूता नहीं है। एआई के आगमन ने ज्ञान के प्रसार, सीखने के तरीकों और शैक्षिक सामग्री के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया है। इस बदलते परिदृश्य में, शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रह गई है; उन्हें अब भावी राष्ट्र निर्माताओं को इस एआई-चालित दुनिया के लिए तैयार करने की महती जिम्मेदारी निभानी है। राष्ट्र निर्माण का कार्य ईंट, पत्थर और स्टील से नहीं, बल्कि सशक्त, कुशल और नैतिक रूप से जागरूक मानव संसाधन से होता है, और यही वह धुरी है जिस पर शिक्षण संस्थानों का अस्तित्व टिका है।

एआई द्वारा शिक्षा में लाए गए प्रमुख परिवर्तन

एआई ने शिक्षा के पारंपरिक मॉडल में कई क्रांतिकारी परिवर्तन लाए हैं:–

वैयक्तिकृत शिक्षण

एआई-आधारित लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम्स और प्लेटफॉर्म छात्र के सीखने की गति, क्षमता और रुचियों का विश्लेषण करते हैं। यह विश्लेषण प्रत्येक छात्र के लिए एक अनुकूलित पाठ्यक्रम और अध्ययन सामठाी तैयार करने में मदद करता है। यह एक ही आकार सभी के लिए वाले पारंपरिक मॉडल से हटकर प्रत्येक छात्र के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। यह वैयक्तिकरण सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और आनंददायक बनाता है।

स्मार्ट कंटेंट और एक्सेसिबिलिटी : एआई पाठ्यपुस्तकों और वीडियो को इंटरैक्टिव (संवादात्मक) और अनुकूली सामग्री में बदल सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र किसी विशेष अवधारणा को समझने में संघर्ष करता है, तो एआई स्वचालित रूप से अतिरिक्त उदाहरण, सिमुलेशन या अलग-अलग स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर सकता है। इससे ज्ञान की उपलब्धता बढ़ती है, खासकर दूर-दराज के क्षेत्रों और दिव्यांग छात्रों के लिए।

प्रशासनिक और मूल्यांकन दक्षता :

शिक्षक का अधिकांश समय मूल्यांकन, ग्रेडिंग और प्रशासनिक कार्यों में व्यतीत होता है। एआई-संचालित उपकरण इन कार्यों को स्वचालित कर सकते हैं, जैसे कि बहुविकल्पीय प्रश्नों की जाँच करना या निबंधों का प्रारंभिक मूल्यांकन करना। इससे शिक्षकों को छात्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ने, उनकी समस्याओं को समझने और रचनात्मक शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय मिलता है।

नए कौशल की मांग :

एआई के उदय ने कई पुरानी नौकरियों को अप्रचलित कर दिया है और डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, एआई एथिक्स जैसे नए क्षेत्रों में अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं। शिक्षण संस्थानों को अब इन भविष्य के कौशलों को अपने पाठ्यक्रम का मुख्य हिस्सा बनाना होगा। राष्ट्र निर्माण में शिक्षण संस्थानों की केंद्रीय भूमिका एआई के इस नए युग में शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करने से कहीं अधिक व्यापक है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में, उनकी जिम्मेदारियां बहुआयामी हैं:

21वीं सदी के कौशल का विकास :

एआई दोहराए जाने वाले और डेटा-आधारित कार्यों को संभाल लेगा। इसलिए, छात्रों को ऐसे उच्च-स्तरीय मानवीय कौशल सिखाने की आवश्यकता है जिन्हें एआई आसानी से प्रतिस्थापित नहीं कर सकता:

आलोचनात्मक चिंतन : एआई द्वारा उत्पन्न जानकारी का मूल्यांकन और विश्लेषण करना।

समस्या-समाधान: जटिल, वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए रचनात्मक समाधान विकसित करना।

रचनात्मकता और नवाचार: नए विचारों को जन्म देना और नवाचार को बढ़ावा देना।

एआई साक्षरता और नैतिक शिक्षा : शिक्षण संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि छात्र न केवल एआई का उपयोग करना सीखें, बल्कि यह भी समझें कि यह कैसे काम करता है। इससे भी महत्वपूर्ण, उन्हें एआई के नैतिक पहलुओं के बारे में शिक्षित करना होगा। डेटा प्राइवेसी, पूर्वाग्रह और एआई के जिम्मेदार उपयोग जैसे विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करना अनिवार्य है। एक नैतिक रूप से जागरूक एआई-कुशल कार्यबल ही एक न्यायसंगत और समावेशी राष्ट्र का निर्माण करेगा।

अनुसंधान और नवाचार केंद्र : विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों को एआई अनुसंधान और विकास का केंद्र बनना होगा। उन्हें उद्योग और सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि एआई-आधारित समाधान देश की विशिष्ट चुनौतियों, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और जलवायु परिवर्तन, के लिए तैयार किए जा सकें। यह मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों को बल देगा।

शिक्षकों का पुनर्शिक्षण और सशक्तीकरण :

शिक्षण संस्थानों को शिक्षकों को एआई उपकरणों के उपयोग में प्रशिक्षित करना होगा। शिक्षक अब केवल ज्ञान के प्रेषक नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया के मार्गदर्शक और सह-शिक्षार्थी बन जाएंगे। उन्हें छात्रों को एआई के साथ प्रभावी ढंग से काम करना सिखाना होगा।

समावेशी शिक्षा को बढ़ावा :

एआई में शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त असमानताओं को कम करने की क्षमता है। संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई-आधारित शैक्षिक उपकरण समाज के सभी वर्गों तक पहुँचें, ताकि ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच की डिजिटल खाई कम हो सके। समावेशी पहुंच राष्ट्र के हर नागरिक को समान अवसर प्रदान करके राष्ट्र निर्माण को मजबूत करती है।

चुनौतियाँ और आगे की राह :

एआई के शिक्षण में समावेश के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं: डेटा गोपनीयता, एल्गोरिथम में निहित पूर्वाग्रह (जो सामाजिक असमानताओं को बढ़ा सकता है), और उच्च-गुणवत्ता वाले एआई उपकरणों की लागत।

इन चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षण संस्थानों को: बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। एआई साक्षरता को प्रारंभिक स्तर से ही पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। निरंतर कौशल उन्नयन को एक संस्थागत संस्कृति का हिस्सा बनाना चाहिए। मानवीय मूल्यों और सामाजिक विज्ञान की शिक्षा को और मजबूत करना चाहिए, ताकि तकनीकी प्रगति मानवीय दृष्टिकोण से संतुलित रहे।

निष्कर्ष– एआई का युग शिक्षा के लिए खतरा नहीं, बल्कि एक अभूतपूर्व अवसर है। शिक्षण संस्थान अब केवल डिग्रियाँ देने वाली फैक्ट्री नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के वह शक्तिशाली इंजन हैं जो मानव पूंजी को एआई की शक्ति से लैस कर रहे हैं। उन्हें अपने पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों और नैतिक ढांचे में क्रांति लानी होगी। एआई के साथ सहयोग और प्रतिस्पर्धा करना सीखने वाला एक सशक्त, नैतिक और कुशल युवा ही 21वीं सदी में भारत को एक विश्व शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं है; यह एक सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन है जिसकी अगुवाई शिक्षण संस्थानों को करनी होगी।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

सूरौठ । राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर नगर पालिका की ओर से महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरौठ के खेल मैदान में बच्चों की रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रखा। जिसमें सरकारी स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया, जिसमें बच्चों को , रंगोली कलर और अन्य सामठाी दी गई प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वच्छ भारत मिशन, पधारो म्हारे देश, जल संरक्षण, प्रकृति का संरक्षण और स्वच्छता में सूरौठ नगरपालिका के साथ संदेश देते हुए रंगोली और पेंटिंग बनाई। जिसमें उत्साहवर्धन नगर पालिका सफाई निरीक्षक खेमराज मीना सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया, बच्चों की मेहनत और उनकी मन में बसी छवि को रंगोली बनाने के बाद प्रोत्साहित किया।

सीताराम गुप्ता को मिलेगा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

भरतपुर (निस)। ठाामीण विकास एवं समाज सेवा के क्षेत्र में दशकों से उत्कृष्ट और प्रेरणादायी योगदान देने वाले मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज (एमएनआईटी) के पूर्व छात्र सीताराम गुप्ता को मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी), जयपुर द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान आगामी 25 दिसंबर को जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। गुप्ता ने मालवीय रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिठाी प्राप्त की तथा प्रारंभिक रूप से विद्युत विभाग में सहायक अभियंता के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 1989 में उन्होंने सरकारी सेवा छोड़कर ठाामीण एवं समठा विकास के क्षेत्र में कार्य करने का निर्णय लिया और इस दिशा में कार्यरत संस्था में निदेशक का दायित्व संभाला।

■ 25 दिसंबर को जयपुर में एमएनआईटी द्वारा किया जाएगा सम्मानित

अपने नेतृत्व में उन्होंने कृषि, पशुपालन, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं, तथा ठाामीण रोजगार के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय एवं नवाचारी कार्य संपादित किए। विशेष रूप से भरतपुर क्षेत्र में मधुमक्खी पालन, मछली पालन, तुलसी माला निर्माण जैसे स्वरोजगार आधारित कार्यक्रमों की शुरुआत कर हजारों युवक-युवतियों को आजीविका से जोड़ा। गुप्ता के सतत एवं व्यक्तिगत प्रयासों का ही परिणाम है कि भरतपुर में देश की सबसे बड़ी शहद प्रसंस्करण इकाई की स्थापना संभव हो सकी। इसके माध्यम से मधुमक्खी पालन का व्यवसाय न केवल भरतपुर बल्कि राजस्थान के सरसों उत्पादक जिलों के साथ-साथ मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों तक विस्तारित हुआ। वर्तमान में इस व्यवसाय से लगभग 8,000 युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है और करीब 9 हज़ार मैट्रिक टन शहद का विदेशों में निर्यात हो रहा है। इसी कारण भरतपुर की पहचान केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के साथ हनी सिटी के रूप में हो गयी है। वर्तमान में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक पद पर कार्यरत सीताराम गुप्ता को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के अतिरिक्त पूर्व वर्षों में अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। इनमें प्रमुख रूप से फिक्की अवार्ड, महिन्द्रा समृद्धि अवार्ड, इंडिया एठाीकल्चर अवॉर्ड, सीआईआई नेशनल अवार्ड, एक्सीलेंस नाबार्ड अवार्ड, महात्मा सीएसआर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, भामाशाह अवार्ड, यूनेस्को चेतना अवार्ड, जी न्यूज़ अवार्ड, सीएसआर लाइफ टाइम अवार्ड, टाइम्स मैन ऑफ द ईयर अवार्ड, इकोनॉमिक टाइम्स लीडर अवार्ड तथा इंस्पायरिंग लीडर अवार्ड शामिल हैं।

तालाब में नावों से निकली अनोखी बारात

भीलवाड़ा। तालाब में नावों से निकली अनोखी बारात, हजारों लोगों को हैरान कर दिया । राजस्थान के भीलवाड़ जिले के लाखोला गांव में शनिवार को एक अनोखी बारात निकाली गई, जो पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई। दूल्हा और बाराती सात सजी-धजी नावों में सवार होकर तालाब के बीचों-बीच से दुल्हन के घर पहुंचे। गुब्बारों और फूलों से सजाई गईं ये नावें तालाब पर तैरती बारात का मनमोहक नजारा पेश कर रही थीं। यह अनोखा आयोजन शादी को यादगार बनाने के लिए किया गया। गांववासियों ने बताया कि तालाब के किनारे बसे होने के कारण यह पारंपरिक तरीके से अलग रिवाज अपनाया गया। दूल्हा घोड़ी पर नहीं, बल्कि नाव पर सवार होकर विदाई लेने पहुंचा। बारातियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ नावों पर ठुमके लगाए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखोला गांव में ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिला। यह आयोजन सामूहिक विवाह या पारिवारिक परंपरा का हिस्सा था, जो पर्यावरण-अनुकूल और रोमांचक रहा। कई लोग इसे राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक बता रहे हैं। तालाब में बारात निकालने से पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। कुल मिलाकर, यह बारात लाखों को आकर्षित कर रही है।

भीलवाड़ा के लाखोला गांव के तालाब में नावों से अनोखी बारात निकली गई।

■ गुब्बारों और फूलों से सजाई गई ये नावें तालाब पर तैरती बारात का मनमोहक नजारा पेश कर रही थीं। यह अनोखा आयोजन शादी को यादगार बनाने के लिए किया गया

राशिफल रविवार 14 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र प्रात: 8:18 तक, सौभाग्य योग दिन 11:45 तक, विष्टि करण सायं 6:50 तक, चन्द्रमा रात्रि 9:43 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय प्रात: 8:18 तक है। आज भद्रा सायं 6:50 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:29 से 9:46 तक, लाभ-अमृत 9:46 से 12:21 तक, शुभ 1:39 से 2:56 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 5:31 तक

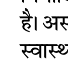

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

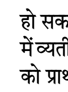

वृष

आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

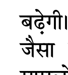

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

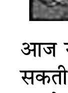

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

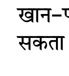

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज धन खर्च हो सकता है। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

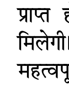

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

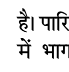

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक और अन्य कार्यों के संबंध में भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

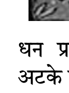

वृश्चिक

संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

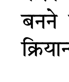

धनु

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

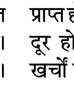

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

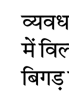

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

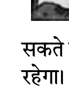

मीन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 61 प्रभात कोटा, रविवार 14 दिसम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

क्या भाजपा नेतृत्व योगी आदित्यनाथ को बैलेंस कर लेगा पंकज चौधरी को यूपी में प्रदेश अध्यक्ष बनाकर?

भाजपा अब हर राजनीतिक निर्णय यू.पी. में वर्ष 2027 में होने वाले चुनाव को मद्देनज़र रखकर ले रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश का नया भाजपा अध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले को राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए सोच-समझकर दिया गया संकेत और राज्य के लिए केन्द्रीय नेतृत्व की दीर्घकालिक चुनावी व संगठनात्मक योजना का हिस्सा माना जा रहा है।

- क्योंकि पिछली बार लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था, जितना भाजपा आशा कर रही थी। इन नतीजों के कारण ही केन्द्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा को अन्य सहयोगी दलों पर निर्भर होना पड़ा था।
- अब भाजपा अगले चुनाव में उस स्थिति की पुनरावृति नहीं होने देना चाहती है।

भाजपा के वरिष्ठ सूत्रों का कहना है कि यह कदम इस बात को रेखांकित करता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव की रणनीति को काफी पहले से आकार देने को लेकर दृढ़ हैं, और योगी आदित्यनाथ को समय से पहले पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने के पक्ष में नहीं हैं।

उनके अनुसार, यह नियुक्ति देश के सबसे अहम चुनावी राज्य में "सत्ता-केन्द्रों के पुनर्सन्तुलन" को साधने का एक सोचा-समझा प्रयास है।

उत्तर प्रदेश से सात बार सांसद रहे और प्रभावशाली कुर्मी समुदाय के प्रमुख नेता पंकज चौधरी के पास संगठनात्मक अनुभव के साथ-साथ, मजबूत सामाजिक आधार भी है।

उनकी पदोन्नति को ऐसे समय में गैर-यादव ओबीसी समर्थन को मजबूत करने के संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जब समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनीति को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाकर अपने सामाजिक गठजोड़ को विस्तार देने की कोशिश कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि पंकज चौधरी को योगी आदित्यनाथ के निकटवर्ती राजनैतिक गुट का हिस्सा नहीं माना जाता। भाजपा के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि उनके चयन का यही एक अहम कारण था। केन्द्रीय नेतृत्व योगी की उन जानी-पहचानी असहजताओं को भी ध्यान में रखे हुए था, जो उन्हें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक जैसे नेताओं से रहती हैं, जिनकी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पकड़ है। चौधरी को चुनकर पार्टी ने ऐसा चेहरा चुना है, जो दिल्ली को स्वीकार्य है, लेकिन मुख्यमंत्री की प्रशासनिक सत्ता के लिए चुनौती भी नहीं है।

पर्यवेक्षक इसमें पूर्वी भारत से जुड़ी एक व्यापक रणनीति भी देख रहे हैं। कुर्मी फैक्टर न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश में, बल्कि पड़ोसी बिहार में भी अहम है, जहाँ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का इस समुदाय पर अब भी काफी प्रभाव है। भाजपा रणनीतिकारों का मानना है कि चौधरी की नियुक्ति से नीतीश के उस प्रभाव को कम किया जा सकता है और इस प्रकार बिहार में पार्टी की रणनीति के साथ यूपी के पूर्वी जिलों का बेहतर तालमेल में बिठाया जा सकता है।

राज्य की राजनीति से आगे, इस कदम को मोदी- दौर के बाद, भाजपा में उनके उत्तराधिकार को लेकर चल रही आंतरिक हलचल के बडे संदर्भ में भी देखा जा रहा है। फिलहाल, शीर्ष नेतृत्व का संदेश साफ है: उत्तर प्रदेश भाजपा की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं के केन्द्र में रहेगा, और हर संगठनात्मक फैसला 2027, और उसके आगे के समय को पूरी तरह ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

पंकज चौधरी यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष बने

लखनऊ, 13 दिसंबर। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष पद के लिये एकमात्र उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने। चौधरी के अध्यक्ष पर पर चुने जाने का औपचारिक ऐलान रविवार दोपहर किये जाने की संभावना है। वह निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का स्थान लेंगे।

चौधरी अध्यक्ष पद के इकलौते उम्मीदवार है जिन्होंने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में चार सेट में इस पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, चौधरी के नामांकन पत्रों में प्रस्तावक बने। चौधरी ने प्रस्तावकों की मौजूदगी में चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे और विनोद तावड़े को नामांकन पत्र सौंपे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाने वाले चौधरी का इस पद पर चुना जाना तय है, जिसकी औपचारिक घोषणा रविवार दोपहर को की जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज सोनिया गांधी कर्नाटक के मु.मंत्री के पद की गुत्थी पर अपना निर्णय देंगी?

रामलीला मैदान पर आयोजित कांग्रेस की विशाल रैली के बाद मु.मंत्री सिद्धारमैया व उनके प्रतिद्वंदी उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, सोनिया गांधी से मिलेंगे

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 14 दिसंबर को नई दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मिलेंगे। सूत्रों ने बताया, इस भेंट का संबंध कर्नाटक में राज्य के शीर्ष पद को लेकर जारी नेतृत्व विवाद से हो सकता है।

- कुछ समय पूर्व कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे, सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि उनकी मौजूदगी में समझौता हुआ था कि मु.मंत्री पद सिद्धारमैया व शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के लिए बांटा जाएगा। अतः अब अगर शिवकुमार को ढाई साल बाद मु.मंत्री नहीं बनाया गया तो उनकी (खड़गे की) विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी।
- पार्टी के विधायकों में भी चर्चा जोरों से चल रही है कि शिवकुमार शीघ्र ही मु.मंत्री पद की शपथ लेंगे, विधानसभा का वर्तमान सत्र समाप्त होते ही।

यह बैठक रामलीला मेला मैदान में आयोजित होने वाली कांग्रेस की मेगा रैली के तुरंत बाद तय की गई है। यह रैली पार्टी के "वोट चोर, गद्दी छोड़" अभियान का हिस्सा है। इस अभियान से परिचित लोगों ने बताया कि इसमें भाजपा और चुनाव आयोग के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया गया है।

यह प्रकरण कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान के कुछ हफ्तों बाद पुनः सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कर्नाटक में जो "भ्रम" व्याप्त है, उसे सोनिया गांधी, राहुल गांधी और वे खुद मिलकर सुलझाएंगे। खड़गे के इस बयान से इस मामले में उच्च स्तरीय हस्तक्षेप की संभावना के संकेत मिले थे। उन्होंने यह भी कहा था कि मुख्यमंत्री पद को साझा करने का समझौता उनके सामने हुआ था, इसलिए यदि शिवकुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो जाएगी।

इस बीच, कर्नाटक कांग्रेस में नई अटकलें सामने आई हैं, क्योंकि नेतृत्व विवाद की चर्चा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। एक पार्टी विधायक ने खुले तौर पर दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कर्नाटक विधानसभा के बेलगावी सत्र के बाद मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। इन टिप्पणियों ने सत्ताधारी पार्टी के भीतर पहले से ही संवेदनशील हो चुके इस मुद्दे को फिर से खड़ा कर दिया है।

रामनगर के कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने शुक्रवार को सुर्वण विधाना सौधा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह दावा किया था। उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनरेगा हुआ खत्म, उसकी जगह आएगी पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और सरकार अगले सप्ताह यह बिल लाना चाहती है

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। मनरेगा हुआ खत्म और अब उसकी जगह "पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी" (पीबीजीआरजी) योजना लायी जा रही है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक नए कानून को मंजूरी दी है, जिसमें प्रत्येक घराने को 100 कार्यदिवसों की बजाय 125 कार्यदिवसों की गारंटी दी जाएगी। केन्द्रीय सरकार अगले सप्ताह लोकसभा में पीबीजीआरजी बिल पेश करना चाहती है। इस योजना में केन्द्र की हिस्सेदारी 95,600 करोड़ निर्धारित की गई है।

मनरेगा में इस बदलाव का एक स्पष्ट राजनीतिक पहलू भी है, क्योंकि अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

- 95,600 करोड़ की इस योजना में प्रत्येक परिवार को 100 की जगह 125 कार्य दिवस की रोजगार गारंटी दी जाएगी।
- इस बदलाव के राजनीतिक पहलू भी हैं, जिसमें प्रमुख है, पश्चिम बंगाल के होने वाले विधानसभा चुनाव। पश्चिम बंगाल सरकार हमेशा से केन्द्र सरकार पर मनरेगा का फंड नहीं देने का आरोप लगाती रही है, वहीं केन्द्र सरकार का आरोप है कि तृणमूल सरकार मनरेगा फंड में गड़बड़ी कर रही है।

14-लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण राजनैतिक पहलू है, मनरेगा पर कांग्रेस का दावा। कांग्रेस से यह क्रेडिट छीनने के लिए केन्द्र सरकार ने न केवल मनरेगा का नाम बदल दिया, बल्कि इसका दायरा भी बढ़ा दिया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस शैल जैन इंडिगो केस की सुनवाई नहीं करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड, जो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करती है, ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है,

- जस्टिस शैल जैन ने खंडपीठ से नाम वापस ले लिया, जो इंडिगो केस की सुनवाई कर रही थी, क्योंकि जस्टिस जैन का बेटा इंडिगो में पायलट है।

जिसमें उसने विमान के इंजन और पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी के रुप में अदा किये गये 900 करोड़ रुपये से अधिक की वापसी की मांग की है। ये इंजन और पार्ट्स विदेश में मरम्मत के बाद फिर से भारत में आयात किए गए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोटी तन्ख्वाह के बावजूद भी पायलट कर्मचारी की श्रेणी में आते हैं'

दिल्ली हाई कोर्ट ने किंग एयरवेज़ की अपील खारिज कर करते हुए कहा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि एयरलाइन पायलट, जिसमें पायलट-इन- कमांड भी शामिल हैं, औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत "कर्मचारी" की परिभाषा में आते हैं। कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि उनकी भूमिका तकनीकी और संचालनात्मक रुप से विमान उड़ाने से संबधित है, न कि प्रबंधकीय या पर्यवेक्षी कार्य से।

कोर्ट ने पाया कि पदनाम, उड़ानों के दौरान कमांड की जिम्मेदारियां, या उच्च वेतन पायलटों को श्रम कानून सुरक्षा से बाहर नहीं कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने किंग एयरवेज़ द्वारा अपने पूर्व पायलटों, जिनमें कप्तान प्रीतम सिंह, मंजीत सिंह और एनडी कथूरिया शामिल थे, के खिलाफ दायर की गई लैटर्स पेटेंट अपीलों का निपटारा करते हुए यह निर्णय दिया।

- एयरलाइन ने अपनी अपील में दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें पायलटों को रूका हुआ वेतन देने, अतिरिक्त फ्लाइंग आवर्स के लिए विशेष भत्ता व अन्य भुगतान देने के आदेश दिए थे।
- किंग एयरवेज़ ने इस आदेश के विरूद्ध अपील में कहा कि पायलट को बहुत अच्छा वेतन मिलता है और वह फ्लाइट का इंचार्ज होता है और पर्यवेक्षण करता है।
- पर, अदालत ने अपील खारिज कर दी और कहा, पायलट का क्रू पर कोई नियंत्रण नहीं होता है और इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट के तहत वह "कर्मचारी" की श्रेणी में आता है।

एयरलाइन ने पहले के आदेशों को चुनौती दी थी, जिनमें पायलटों को रुका हुआ वेतन देने, अतिरिक्त उड़ान घंटों के लिए इन्सैंटिव और संबंधित बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने शुरुआत में ही यह स्पष्ट निष्कर्ष दिया था कि "कर्तव्यों की प्रमुख प्रकृति" का परीक्षण ही निर्णायक होगा।

कोर्ट ने कहा कि हालांकि एक पायलट-इन-कमांड को सिद्धांत रूप में उड़ान का प्रभारी माना जा सकता है, लेकिन रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य से यह साबित हुआ कि पायलट क्रू के ऊपर औद्योगिक या प्रशासनिक दृष्टिकोण से पर्यवेक्षीय या प्रबंधकीय नियंत्रण नहीं रखते हैं। खंडपीठ ने यह माना कि उनका मुख्य कार्य विमान को चलाने का तकनीकी और कुशल कार्य है।

कोर्ट ने एयरलाइन के इस तर्क को खारिज कर दिया कि पायलट "कर्मचारी" की परिभाषा से बाहर हैं क्योंकि उनका वेतन बहुत अधिक है या उन्हें वरिष्ठ कमांडर के रूप में नामित किया गया है, कोर्ट ने कहा कि वेतन का स्तर केवल तभी प्रासंगिक होता है जब यह साबित किया जाए कि कर्मचारी वास्तव में पर्यवेक्षण का काम कर रहा है।

यदि यह प्रमाण नहीं मिलता कि पायलट वास्तव में पर्यवेक्षी कार्य कर रहे हैं, तो औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 2(एस) (चार) के तहत उन्हें कर्मचारी के दायरे से बाहर किए जाने का प्रश्न नहीं उठता।

खंडपीठ ने किंग एयरवेज़ द्वारा विमानन नियमों और आंतरिक संचालन मैन्युअल्स पर निर्भरता की भी जांच की, जिसमें यह तर्क दिया गया था कि पायलट क्रू के सदस्य का पर्यवेक्षण करते हैं। कोर्ट ने कहा कि विमानन नियमों में कोई भी पर्यवेक्षण उड़ान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ग्राम पंचायतों के मुख्यालय क्यों बदले'

जयपुर, 13 दिसम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत के मुख्यालयों को बदलने से जुड़े अलग-अलग मामलों में राज्य सरकार और टोंक, धौलपुर व करौली जिलों के कलेक्टर सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस रवि

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार तथा टोंक, धौलपुर, करौली कलेक्टरों से जवाब मांगा।

चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश करौली जिले की ग्राम पंचायत सेंगरपुरा, टोंक जिले की ग्राम पंचायत चावड़िया के अर्जुन लाल और धौलपुर जिले की ग्राम पंचायत चित्तौरा के मुन्ना लाल शर्मा की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाओं में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा ने अदालत को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पार्टीशन के आठ दशक बाद, संस्कृत लौटी पाकिस्तान के स्कूलों में

लाहौर युनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों व स्कॉलर्स की जिज्ञासा व रूचि को देखते हुए, संस्कृत को पाठ्यक्रम में शामिल किया है

- सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। बंटवारे के लगभग आठ दशक बाद, जिसने उपमहाद्वीप भूगोल और स्मृतियों दोनों को बांट दिया था, एक अप्रत्याशित भाषा ने पाकिस्तान के एक क्लासरूम में वापसी की है। संस्कृत, जिसे लंबे समय तक भारत और पाकिस्तान के बीच सभ्यतागत सीमा माना जाता रहा है, को लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज़ में औपचारिक रूप से पढ़ाया जाना शुरू किया गया है। यह कदम इस बात का शांत, लेकिन महत्वपूर्ण संकेत है कि पाकिस्तान अब अपने गहरे बौद्धिक अतीत से नए सिरे से जुड़ने की शुरुआत कर रहा है।

चार क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम तीन महीने की एक वीकेंड कार्यशाला में अप्रत्याशित रूप से मिली जबरदस्त दिलचस्पी के बाद शुरू किया गया है। इससे साफ़ होता है कि 1947 के बाद से जिस ज्ञान को अकादमिक रूप से वर्जित माना जाता रहा, उसे जानने की इच्छा छात्रों और विद्वानों में अब भी मौजूद है। इसका पाठ्यक्रम केवल व्याकरण और भाषाशास्त्र तक सीमित नहीं है। एक प्रतीकात्मक सांस्कृतिक पहल के रूप में छात्रों को टीवी धारावाहिक "महाभारत" के प्रसिद्ध गीत "है कथा संग्राम की" के उर्दू रूप से भी परिचित कराया जा रहा है, जो यह याद दिलाता है कि साझा कहानियाँ अक्सर राजनीतिक टूट-फूट के बाद भी जीवित रहती हैं।

- 1947 से, भारत का तर्क था कि कश्मीर, सांस्कृतिक इतिहास व पहचान के कारण भारत का हिस्सा है तथा दूसरी ओर पाकिस्तान कश्मीर को मुस्लिम पहचान की दृष्टि से देखता रहा है।
- पर, अब संस्कृत के शैक्षणिक जगत में प्रवेश से पाकिस्तान की इस सख्त सोच में तब्दीली होती नज़र आ रही है।
- क्या यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान में अब कश्मीर को, केवल एक इस्लामिक पहचान के रूप में नहीं जाना जाएगा, बल्कि एक ऐसी सभ्यता के रूप में देखना शुरु होगा जिस पर कई सदियों से कई सभ्यताओं का असर रहा है।

सीमित अर्थों में देखें तो यह एक अकादमिक विकास है। लेकिन भारत-पाकिस्तान संबंधों के संदर्भ में देखें तो इसका अर्थ कहीं गहरा है। आधुनिक दुनिया की सर्वाधिक गहरी जड़ें जमा चुकी दुशमनियों में से एक में यह एक प्रतीकात्मक हस्तक्षेप है। और इस प्रतीकात्मकता की गूंज सबसे तीव्र कश्मीर में सुनाई देती है।

कश्मीर कभी सिर्फ़ एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रहा है। समय के साथ यह एक सभ्यतागत बहस में बदल गया है, एक ऐसी बहस, जिसमें इतिहास, पहचान और चुनिंदा स्मृतियों का इस्तेमाल सैनिकों और संधियों के साथ-साथ किया जाता है। भारत ने कश्मीर की संस्कृत, शैव और बौद्ध परंपराओं का हवाला देते हुए, अपनी दावेदारी को सभ्यतागत शब्दों में ज्यादा से ज्यादा ज़ाहिर किया है। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने कश्मीर को मुख्य रूप से मुस्लिम पहचान और बंटवारे के बाद आत्मनिर्णय के तर्क के माध्यम से पेश किया है। धीरे-धीरे इतिहास की इस संकीर्ण व्याख्या ने कश्मीर को एक "ज़ीरो सम" सांस्कृतिक क्षेत्र में बदल दिया है, एक ऐसी स्थिति, जिसमें अतीत के एक पक्ष को स्वीकार करना दूसरे पक्ष को छोड़ देने के बराबर समझा जाता है, यानी, वो स्थिति, जिसमें एक पक्ष का लाभ सीधे दूसरे पक्ष का नुकसान माना जाता है।

पाकिस्तानी शिक्षा जगत में संस्कृत की वापसी इस कठोर दृष्टिकोण को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपने गढ़ में कांग्रेस की हार पर भाजपा को बधाई दी थरुर ने

तिरुवनंतपुरम, 13 दिसंबर। केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के मिजाज बीते कुछ वक्त से बदले-बदले से नजर आ रहे हैं। पार्टी

- केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में थरुर के क्षेत्र तिरुवनंतपुरम में भाजपा को अच्छी सफलता मिली है, जबकि कांग्रेस हार गई।

आलाकमान की बैठकों से दूरी और भाजपा से नजदीकी इस बात की तस्दीक है कि थरूर के मन के अंदर कुछ तो चल रहा है। एक दिन पहले जहां उन्होंने कोलकाता के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस लोकसभा सांसदों की बैठक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सरस डेयरी अध्यक्ष चौधरी दिल्ली रवाना

यह दल रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस रैली में शामिल होगा

अजमेर। अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे व अजमेर सरस डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी की प्रेरणा से कांग्रेस देहात जिला अध्यक्ष गीता चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकर्ता का दल शनिवार को दिल्ली के लिए रवाना हुआ है। यह दल रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में रैली व इसके बाद आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ सभा में यह सभी शिरकत करेंगे। चौधरी ने अजमेर लोकसभा क्षेत्र से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को इसमें पहुंचने का आव्हान किया है। चौधरी ने एक बयान जारी करके कहा कि सैकडों महिलाओं के साथ व अजमेर लोकसभा क्षेत्र से हजारों कार्यकर्ता भी इस सभा में शिरकत करेंगे। विभिन्न चौपहिया वाहनों और बसों के माध्यम से कार्यकर्ताओं का दिल्ली पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। चौधरी के साथ गीता चौधरी कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष, मूली देवी पूर्व पार्षद, सीमा चौधरी वरिष्ठ सदस्य, निर्मला डांगी उपाध्यक्ष, विमलेश चौधरी उपाध्यक्ष, सीमा चोपड़ा उपाध्यक्ष, सीमा व्यास उपाध्यक्ष, अनिता गुप्ता महामंत्री, सुनीता सोनी सचिव, मदीना बानो सचिव, हंजा देवी गुर्जर सचिव, सरोज कंवर ब्लाक अध्यक्ष भिनाय, हंजा देवी नेतड ब्लाक अध्यक्ष अराई, लाजवंती डांगी ब्लॉक अध्यक्ष पीसांगन, मीनाक्षी मीणा ब्लाक अध्यक्ष पुष्कर, धीरज खींची ब्लाक अध्यक्ष सरवाड़, संतोष भीचर ब्लाक अध्यक्ष रूपनगढ, रिया सिंह चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष केकडी, चान्दाबाई माली सदस्य, कंचन देवी सदस्य, सायनी बाई सदस्य, रमती बाई सदस्य आदि मौजूद हैं।

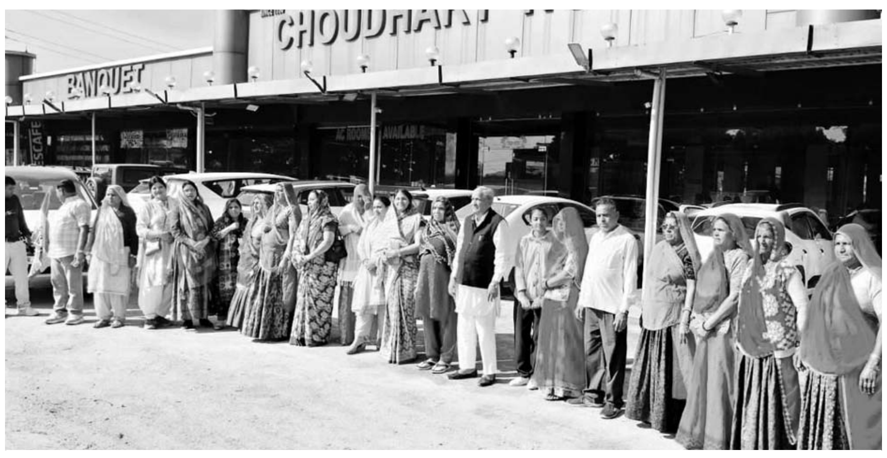

अजमेर कांग्रेस देहात जिला अध्यक्ष गीता चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकर्ता का दल शनिवार को दिल्ली के लिए रवाना हुआ।

- अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से 2 बस व 15 छोटी गाड़ियों से कांग्रेसजन दिल्ली रवाना

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की और से 14 दिसम्बर रविवार को रामलीला मैदान दिल्ली में आयोजित वोट चोर - गद्दी छोड़ रैली में अजमेर उत्तर के कांठोसजन 2 बस व 15 छोटी गाडियों से अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल व आर टी डी सी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के नैतृत्व में शामिल होने के लिए सभी कांग्रेसजन 13 दिसम्बर शनिवार को रात्रि में 9 बजे अजमेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राजकुमार जयपाल के निवास स्थान से रवाना हुए है। धर्मेंद्र राठौड के साथ रैली के संबंध में चर्चा करने वाले कांग्रेसजनों में अजमेर उत्तर के ब्लॉक कांठोस पूर्व पार्षद अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल व वाहिद मोहम्मद, पार्षद नौरत गुजर, पूर्व पार्षद सर्वेश पारीक व हेमंत जोधा, ब्लॉक संगठन महासचिव आरिफ खान व विकास चौहान, युनुस शेख, राजेश गोडीवाल, शहनाज आलम, सुवालाल बैरवा, विश्वेश पारीक, निर्मल पारीक व तनवीर गुर्जर आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल थे।

अवैध गैस रिफिलिंग नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अजमेर। जिले में अवैध गैस रिफिलिंग और भंडारण के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मांगलियावास थाना क्षेत्र में एनएच-48 स्थित एक होटल पर छापेमारी कर अवैध गैस रिफिलिंग के नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 115 कमर्शियल गैस सिलेंडर, एक घरेलू सिलेंडर, एक गैस टैंकर तथा चार वाहन जब्त किए हैं। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियानों के तहत यह कार्रवाई शुक्रवार देर रात की गई। सहायक पुलिस अधीक्षक किशनगढ़ शहर अजय सिंह राठौड़ के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम प्रभारी सत्यवान मीणा और उनकी टीम ने केसरपुरा क्षेत्र में स्थित एक पर संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर दबिश दी। तलाशी के दौरान होटल परिसर में गैस रिफिलिंग में प्रयुक्त उपकरण मिले, जिससे अवैध रूप से गैस भरने और भंडारण की पुष्टि हुई। पुलिस ने मौके से दो पिकअप वाहन, एक गैस टैंकर और एक लोडिंग टेंपो जब्त किया।

इसके साथ ही 115 कमर्शियल सिलेंडर और एक घरेलू सिलेंडर बरामद किए गए। एक पिकअप वाहन में डीजल भी पाया गया, जिसे जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने केसरपुरा निवासी जितेंद्र कुमार और ग्राम मकरेड़ा निवासी बहादुर को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की सूचना रसद विभाग को भी दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान बड़े गैस रिफिलिंग नेटवर्क, सप्लाई चेन और गैस की अवैध खरीद-फरोख्त से जुड़े अहम खुलासे होने की संभावना है। जांच गहनता से जारी है।

विजय नगर में अवैध खनिज परिवहन करते 4 डंपर जब्त

माइंस विभाग की अजमेर वृत की टीम ने विजय नगर-नसीराबाद क्षेत्र में देर रात व प्रातः अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ औचक कार्रवाई करते हुए चार डंपर जब्त किये।

- एस्कॉर्ट करती स्कॉर्पियो व संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज
- खान विभाग के अधिकारियों की टीम द्वारा रेत का अवैध परिवहन करते एक डंपर का पीछा करने पर डंपर चालक ने रेत का बीच रोड ही फैलाते हुए फरार हो गया।

अजमेर/जयपुर। माइंस विभाग की अजमेर वृत की टीम ने विजय नगर-नसीराबाद क्षेत्र में देर रात व प्रातः अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ औचक कार्रवाई करते हुए चार डंपर जब्त किये हैं वहीं अवैध परिवहन करते हुए रेत के डंपर का खान विभाग की टीम द्वारा पीछा करने के बावजूद एक स्कार्पियों कार की मदद से भगा ले जाने में सफल हो गए।

अजमेर वृत के अधीक्षण खनि अभियंता जय गुरुबख्सानी ने बताया कि शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए देर रात विजय नगर और नसीराबाद क्षेत्र में औचक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान विजय नगर क्षेत्र में बजरी का अवैध परिवहन करते हुए दो डंपर जब्त किये गये। इसके साथ ही विजयनगर नसीराबाद क्षेत्र में दो डंपर ग्रेनाइट का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किये गये हैं।

खान विभाग के अधिकारियों की टीम द्वारा रेत का अवैध परिवहन करते एक डंपर का पीछा करने पर डंपर चालक ने रेत का बीच रोड ही फैलाते हुए फरार हो गया। रेत डंपर का पीछा करती विभागीय टीम के कार्य में एक स्कॉर्पियो से रास्ता रोकने और रेत के डंपर को भगाने में सहयोग किया।

अधीक्षण खनिज अभियंता जय गुरुबख्सानी ने बताया कि विभागीय टीम के साथ ही खनिज अभियंता विजिलेंस अजमेर, सहायक खनिज अभियंता सावर शामिल रहे। उन्होंने बताया कि रेत का अवैध परिवहन कर भागने में सफल डंपर चालक, मालिकों और एस्कॉर्ट करती स्कॉर्पियो सवारों के खिलाफ पुलिस में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

विकसित राजस्थान रथ यात्रा महूकला से रवाना

- प्रदेश सरकार की योजनाओं का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाएंगे

गंगापुर सिटी। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और सुशासन की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित राजस्थान रथ यात्रा का शुभारंभ किया गया। यह यात्रा महूकला स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल परिसर से शुरू हुई। रथ को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी संजय नरूका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पिछले दो वर्षों में गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने बताया कि शविकसित राजस्थान रथ यात्राश सरकार की विकासपरक नीतियों और पारदर्शी प्रशासन को जनता तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बनेगी। विकास अधिकारी जगदीश गुर्जर ने पारदर्शी शासन और योजनाओं की जन-ऑडिट की सराहना की। जिला प्रभारी संजय नरूका ने सरकार द्वारा घोषणापत्र की अधिकांश उपलब्धियां हासिल करने का उल्लेख किया, जबकि विधानसभा प्रभारी हेमेन्द्र वशिष्ठ ने मुख्यमंत्री की कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की। पंचायत समिति प्रधान मंजू गुर्जर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत महूकला के सरपंच लखन सैनी ने अतिथियों का माला और दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में अभियान के विधानसभा प्रभारी हेमेन्द्र वशिष्ठ, नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल, पंचायत समिति प्रधान मंजू गुर्जर, जिला महामंत्री विनोद अटल, जिला उपाध्यक्ष दीपक सिंघल, उदय सिंह गुर्जर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनीता वैष्णव, मोर्चा संयोजक जमनालाल वैष्णव, शहर मंडल अध्यक्ष मिथलेश व्यास, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नागेश लोदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इसी क्रम में नगर परिषद गंगापुर सिटी की ओर से नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान थीम पर एक स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताएं हुईं। विद्यार्थियों को गीला व सूखा कचरा अलग-अलग रखने की जानकारी दी गई और स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

फायरिंग का आरोपी पकड़ा

गंगापुर सिटी। मालगोदाम रोड स्थित पुरानी थोक सब्जी मंडी में 2 दिसंबर को दिनदहाड़े हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डीएसटी गंगापुर सिटी टीम के सहयोग से 5000 रुपए के इनामी बदमाश पृथ्वीराज उर्फ प्रिंस उर्फ नंदू गुर्जर (24) को गिरफ्तार किया है।

आरोपी को जयपुर के शिवदासपुरा से दबोचा गया है। पुलिस के अनुसार यह घटना 2 दिसंबर की दोपहर करीब 2 बजे हुई थी। तीन युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर सब्जी मंडी पहुंचे और काडू पहलवान उर्फ महेंद्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

इस हमले में कालू पहलवान को तीन गोलियां लगीं, जबकि एक अन्य दुकानदार भी घायल हो गया। घायल दोनों व्यक्तियों को तुरंत गंगापुर सिटी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फायरिंग की वजह कृष्णा गुर्जर गैंग और पृथ्वीराज उर्फ प्रिंस उर्फ नंदू गुर्जर गैंग के बीच चल रही पुरानी रंजिश थी।

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का उत्थान ही सुशासन का ध्येय : बेढ़म

- सेऊ-सुहेरा, धमारी और नाहरा चौथ सहित आधा दर्जन ग्राम पंचायतों में जनसभाओं को संबोधित किया
- जनसुनवाई कर मौके पर ही समस्याओं को निस्तारण

डीग भरतपुर (निस)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, शनिवार को गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने डीग जिले के विभिन्न ठाामीण अंचलों का सघन दौरा कर आमजन को सरकार द्वारा 2 वर्ष में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार शसबका साथ-सबका विकासश् की मूल भावना के साथ कार्य कर रही है। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम का काफिला जैसे ही गाँवों में पहुँचा, माहौल उत्सवी हो गया। डीग जिले के गांव सेऊ-सुहेरा, धमारी, नाहरा चौथ, परमदरा और गुहाना में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए भव्य श्कलश यात्राश् निकालकर उनका आत्मीय स्वागत किया। पारंपरिक साफे पहना कर और पुष्प वर्षा के साथ ठाामीणों ने अपने लाडले मंत्री का अभिनंदन किया। जनसभाओं को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजस्थान ने विकास की नई इबारत लिखी है। उन्होंने कहा हमारी सरकार तुष्टिकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण के मंत्र पर काम करती है। आज शविकास रथश् के माध्यम से जो फिल्म दिखाई जा रही है, वह महज प्रचार नहीं, बल्कि उन लाखों लाभार्थियों की हकीकत है जिनके जीवन में उजाला आया है। उन्होंने विशेष रूप से ईआरसीपी (राम जल सेतु), कानून व्यवस्था में सुधार और गोपालन विभाग द्वारा उठाए गए ऐतिहासिक कदमों का जिक्र किया। मंत्री बेढम ने कहा कि किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। अपने दौरे के दौरान मंत्री बेढम ने विकास रथ का अवलोकन किया। रथ की बड़ी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संदेशों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की लघु फिल्मों का प्रसारण देख ठाामीण मंत्रमुग्ध हो गए। अपने दौरे के दौरान मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने न केवल सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश किया, बल्कि आमजन की समस्याएं भी सुनीं। बिजली, पानी और सड़कों से जुड़ी परिवेदनाओं पर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के सख्त निर्देश दिए।

इस जनसंपर्क अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बदनोर के तीन गांवों से डीपी चोरी

भीलवाड़ा। बदनोर पुलिस थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। बीती रात अज्ञात चोरों ने क्षेत्र के तीन गांवों को निशाना बनाते हुए बिजली के ट्रांसफॉर्मर (डीपी) चोरी कर लिए। डीपी चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है, जिसका फुटेज सामने आया है।

डीपी चोरी होने से संबंधित गांवों में पूरी रात अंधेरा छाया रहा, जिससे ठाामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार जुलाई से दिसंबर के साढ़े पांच माह के अंतराल में बदनोर क्षेत्र की 10 पंचायतों में कुल 26 ट्रांसफॉर्मरों से कॉयल व ऑयल चोरी हो चुका है। वहीं पिछले करीब ढाई वर्षों में चोर सरकारी विद्यालयों, अस्पतालों और ठाामीणों के घरों को भी निशाना बना चुके हैं। विद्युत निगम की ओर से इस संबंध में बदनोर थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मोगर पंचायत के बिच्छुदंडा निवासी गोपी सिंह, आशु सिंह, मोगर गांव की नंदू कंवर, हर्निया मंगरी निवासी प्रताप सिंह सहित अन्य ठाामीणों ने बताया कि आए दिन गांवों में बिजली पोल से डीपी चोरी की घटनाएं हो रही हैं। इससे ठाामीणों में डर और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ठाामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पूर्व में हुई कई चोरियों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है, जिससे चोरों के हौसले और बढ़ते जा रहे हैं।

ट्रक बाइक भिड़ंत में युवक की मौत

गंगापुर सिटी। सवाईमाधोपुर गंगापुर मेगा हाइवे के मीनापाडा गावं के पास एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। युवक की शिनाख्त करौली के सैमरदा गांव निवासी युवक गौरव मीणा (22) के रूप में हुई है। यह घटना शुक्रवार शाम करीब 4.30 से 5 बजे के बीच मीनापाड़ा और जीवद नदी के बीच हुई। जानकारी के अनुसार मृतक गौरव मीणा पुत्र विनोद मीणा बाटोदा से अपनी मौसी के गांव कडी झोपड़ी जा रहा था। इसी दौरान सवाई माधोपुर रोड पर एक ट्रक और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार गौरव मीणा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को तत्काल गंगापुर सिटी के सरकारी जिला अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने गौरव मीणा को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। शनिवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

थाना अधिकारी को ज्ञापन

बिसाऊ। कस्बे में पिछले दिनों हुए दुष्कर्म के अपराधियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन कस्बे के लोगों का कहना है कि अपराधियों का सर मुंडन करवा कर के नगर में जुलूस निकाला जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा ना हो अतः थाना अधिकारी को कस्बे के लोगों ने ज्ञापन दिया जिसमें लिखा गया है कि ऐसे घिनोना कृत्य कार्य को करने वाले अपराधियों में भय होगा एवं ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोका जा सके।

बडौदा गांव में लगाया जागरूकता शिविर

गंगापुर सिटी। दलित अधिकार केंद्र ने गंगापुर सिटी ब्लॉक के गांव खानपुर बड़ोदा में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में सामाजिक एवं आर्थिक विकास से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिसमें 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य दलित और वंचित वर्ग के लोगों को इन योजनाओं का फायदा उठाने के लिए प्रेरित करना था। केंद्र के जिला सह-समन्वयक मनोज कुमार ने दलित अधिकार केंद्र की गतिविधियों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि संस्था पिछले 22 वर्षों से मानव अधिकारों और दलितों के हितों के लिए कार्य कर रही है। मनोज कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि जानकारी के अभाव में दलित और गरीब वर्ग के लोग अक्सर सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का फायदा नहीं ले पाते, जिससे उनका सामाजिक और आर्थिक विकास बाधित होता है। जागरूकता शिविर में कई महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इनमें मनरेगा योजना, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सिलिकोसिस पीड़ित सहायता योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना, अंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना और कन्यादान योजना शामिल थीं। उपस्थित प्रतिभागियों को इन योजनाओं का फायदा लेने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया गया। शिविर में सामाजिक कार्यकर्ता मिट्ठू जाटव, ध्रुव जाटव, महिला कार्यकर्ता सोनम जाटव और सुनीता जाटव सहित लगभग 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

धूल-धुआं प्रदूषण से हर घर में बीमारियां

पाटन। निकटवर्ती ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में अवैध रूप से संचालित हो रहे क्रेशर प्लांटों से निकलने वाली जहरीली धूल और धुएँ ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इलाके में फैले प्रदूषण के कारण सैकड़ों लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में हैं, जबकि कई लोगों की मौत भी हो चुकी है।ग्रामीणों का कहना है कि क्रेशर संचालकों ने नियमों को पूरी तरह दरकिनार कर लगभग 9 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में धूल का गुबार फैला दिया है जिस कारण क्षेत्र का प्रदूषण स्तर 300से 400 रहता है, जो स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालता है। स्थिति यह है कि अधिकांश घरों में बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएँ साँस, त्वचा और आँखों से जुडी बीमारियों से जूझ रहे हैं।स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रदूषण इतना अधिक है कि दिन में भी कई बार दृश्यता कम हो जाती है और हवा में बारीक धूल कण लगातार तैरते रहते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की माँग की है, ताकि अवैध क्रेशर प्लांटों को बंद कर क्षेत्र में फैल रही गंभीर बीमारी की रोकथाम की जा सके।इस बारे में ग्राम पंचायत द्वारा भी प्रस्ताव बनाकर पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों को प्रस्ताव की कोपी भिजवा कर कार्यवाही की मांग कर चुके हैं। वही ग्रामीणों ने बताया है कि इलाके में स्थित चिड़ीमार पहाड़ पर खनन माफिया इतना दुस्साहस कर रहे हैं। की वह वन विभाग की पहाड़ियों में से दिन रात धड़ल्ले से अवैध खनन करके पत्थर चोरी कर ट्रैक्टर ट्रॉलियों के माध्यम से क्रेशरों पर डाल रहे हैं। जबकि इलाके में पहले भी ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग के द्वारा कई बार कार्यवाही की जा चुकी है लेकिन खनन माफिया अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं तथा चिड़ीमार पहाड़ में जो कि कवार्टजाइट पत्थर का पहाड़ है उसमें अवैध खनन कर अपने क्रेशर प्लांट को चला रहे हैं जो ट्रैक्टर ट्राली के द्वारा खनन करके क्रेशर प्लांटों पर पत्थर डाला जा रहा हैं। जानकारी के मुताबिक स्यालोदड़ा में वन विभाग की 205 हेक्टेयर जमीन है जिसमें पहाड़ का एक हिस्सा राजस्थान में तो दूसरा हिस्सा हरियाणा में पड़ता है।

युवा महोत्सव 15 को

झुंझुनूं। मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार की बजट घोषणा सत्र 2025- 26 राजस्थान युवा बोर्ड युवा मामले एवं खेल विभाग राजस्थान सरकार द्वारा राज्य की लुप्त एवं दुर्लभ लोक कला एवं संस्कृति को संरक्षण संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए राजस्थान युवा महोत्सव 2025 का आयोजन प्रत्येक जिले में किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के माध्यम से राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं खेल मैदान में 15 दिसंबर को सुबह नौ बजे से जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक राजेश मील ने बताया कि इस युवा महोत्सव में राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाइट पर पंजीकृत 15 से 29 आयु वर्ग के युवा भाग लेंगे। युवाओं के लिए लोक नृत्य सामूहिक, लोक गायन सामूहिक, एकल नृत्य राजस्थानी, एकल गायन राजस्थानी, भाषण, कविता लेखन, चित्रकला, कहानी लेखन, प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

हादसे में युवक की मौत, सड़क पर शव रख प्रदर्शन

- मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, घायल पत्नी का इलाज और सड़क मरम्मत में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की

भीलवाड़ा। जिले के गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में अजमेर-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे-48 पर रुपाहेली भट्टा के पास शनिवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक पति की ट्रक के पिछले टायर के नीचे कुचलकर मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा रोड रिपेयरिंग के दौरान सड़क पर बने गड्ढों के कारण हुआ।मृतक अभिषेक पुत्र रामस्वरूप गुलाबपुरा के निवासी थे। दोनों पति-पत्नी सरेरी में आयोजित एक शादी समारोह में जा रहे थे।

अजमेर-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे-48 पर रुपाहेली भट्टा के पास सड़क हादसे में एक जने की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, नेशनल हाईवे पर मरम्मत कार्य चल रहा था, जिससे सड़क पर कई गड्ढे हो गए थे। अभिषेक बाइक चला रहे थे कि अचानक एक गड्ढे में बाइक का संतुलन बिगड गया। इससे बाइक सड़क पर लुढ़क गई और पीछे से तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गई। ट्रक ने पहले बाइक को रौंदा, फिर अभिषेक को उसके पिछले टायर के नीचे कुचल दिया। पत्नी भी चपेट में आ गई, जिन्हें गंभीर चोटें आईं।घटना की सूचना मिलते ही ब्राह्मण समाज के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे। नाराज लोगों ने नेशनल हाईवे पर ही मृतक अभिषेक का शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। वे मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, घायल पत्नी का इलाज और सड़क मरम्मत में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।गुलाबपुरा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल पत्नी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

एसपी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सड़क सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

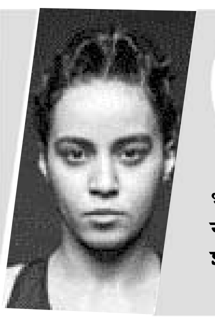

एमएमए के एशियाड में शामिल होने से खेल को सरकारी पहचान और समर्थन मिलेगा। इससे इस खेल को सरकारी समर्थन और पहचान मिलेगी। - पूजा तोमर

भारतीय मार्शल आर्टिस्ट, नागोया एशियन गेम्स में शामिल किये जाने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

साओ पाउलो

साओ पाउलो के मिडफील्डर ऑस्कर ने हृदय संबंधी बीमारी का पता चलने के बाद पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। ब्राजील के ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, 34 वर्षीय ऑस्कर ने अपने करीबी लोगों को अपने फैसले के बारे में बताया और पिछले महीने हुई एक घटना के बाद आगे की जटिलताओं का जोखिम न उठाने का फैसला किया, जिसके कारण उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में रहना पड़ा था। ऑस्कर पिछले दिसंबर में चेल्सी और शंघाई पोर्ट के साथ सफल कार्यकाल के बाद तीन साल के अनुबंध पर अपने बचपन के क्लब साओ पाउलो में लौटे थे।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में 19 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का टाइटल जीता है, लेकिन अब इसे किंग कोहली ने तोड़ दिया है।

भारत ने एशियाई युवा पैरा गेम्स में जीते 18 पदक

दुबई, 13 दिसंबर। भारतीय पैरा एथलीटक दल ने एशियाई युवा पैरा गेम्स दुबई 2025 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 18 पदक जीतकर शनिवार को अपने अभियान का समापन किया। दुबई में 10 से 13 दिसंबर तक चले इस टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में भारत ने आठ स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक जीते। 2025 एशियाई युवा पैरा गेम्स में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तैराकी, ताइक्वांडो, बोकिया, गोलबॉल, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग, व्हीलचेयर बास्केटबॉल और आर्मरेसलिंग सहित 11 खेल शामिल थे। इनमें से आठ खेलों में भारतीय एथलीटों ने भाग लिया। जतिन आजाद और शिवम यादव एमडी- एसयू 5, जतिन आजाद एमएस एसयू- 5, शिवम यादव और तुलिका जाधव एक्सडी - एसयू5 और एसएल 3, हर्षित चौधरी और कार्तिक सुहाग एमस - एसएल 4 - एसएल 3, शांतिया विश्वनाथन डब्लयूएस -एसयू- 5 में, प्रेमचंद पोटनुरु एमएस - एसएच 6,. नित्या श्री सुमति सिवन, कार्तिक सुहाग एमएस -एसएल 3 में स्वर्ण पदक जीते। वहीं अभिजीत सखूजा और विजेंद्र एमडी एसएल 4 - एसएल 3में, विजेंद्र एमएस- एसएल 3 में और अभिजीत सखूजा एमएस - एसएल 4 में, तुलिका जाधव डब्ल्यू एस एसएल 3 में रजत पदक जीते। हर्षित चौधरी एमएस एसएल-4, शिवम यादव एमएस एसयू-5, शिवांगी पांडे डब्ल्यूएस एसएल-4, जतिन आजाद और समायरा कंवर एक्सडी एसयू 5- एसएल 3, मनीषा पटेल डब्ल्यूएस एसच 6, नित्या श्री सुमति सिवन और मनीषा पटेल डब्ल्यू डी - एसएच 6 में कांस्य पदक जीते।

केएससीए चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित कराने की मिली अनुमति

बेंगलुरु 13 दिसंबर। कर्नाटक सरकार ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित कराने की अनुमति दे दी है और इससे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भी अवगत करा दिया गया है। यह अनुमति वेंकटेश प्रसाद को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) का अध्यक्ष बनने के एक सप्ताह बाद आयी है। प्रसाद और उपाध्यक्ष सुजीत सोमसुंदर ने इस सप्ताह की शुरुआत में बेलगावी में राज्य के विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात सार्थक रही।

इशरानी बरुआ, उन्नित हुड्डा और किरण जॉर्ज ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में

कटक, 13 दिसंबर। इशरानी बरुआ, महिला एकल की टॉप सीड उन्नित हुड्डा और पुरुष एकल के दूसरे सीड किरण जॉर्ज ने कटक के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में कड़े मुकाबले वाले सेमीफाइनल में जीत हासिल कर बैडमिंटन टूर्नामेंट ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इशरानी बरुआ ने सेमीफाइनल में तान्या हेमंत को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की नजर तीसरा टी-20 जीतकर बढ़त लेने पर

धर्मशाला, 13 दिसंबर। भारत और दक्षिण अफ्रीका रविवार को यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में तीसरे अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकबाले में पांच मैचों की सीरीज में बढ़त लेने उतरेंगे।

पहले मैच में भारत की शानदार जीत के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में जोरदार वापसी करते हुए बराबरी कर ली, जिससे इस खूबसूरत पहाड़ी मैदान पर एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। दोनों टीमों ने एक-दूसरे की ताकत और कमजोरियों को जान लिया है, ऐसे में धर्मशाला मैच बाकी सीरीज का रुख तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

भारत की बल्लेबाजी ने कुछ अच्छे संकेत दिखाए हैं, लेकिन शीर्ष क्रम में निरंतरता की कमी रही है। पहले दो मैचों में शुरुआती झटकों के बाद पारी को संभालने में तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या का मिडिल ऑर्डर में योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

ओपनर अभिषेक शर्मा भारत की योजनाओं के केंद्र में बने हुए हैं, टीम पावरप्ले के दौरान तेज शुरुआत देने की उनकी क्षमता पर भरोसा कर रही है। सीनियर बल्लेबाज शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने और लाइनअप को स्थिरता देने के लिए उत्सुक होंगे।

पिछले मैच में काफी रन देने के बाद भारत की गेंदबाजी इकाई पर सबकी नजर रहेगी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दूसरे टी-20 में शुरुआती विकेट लेने में नाकाम रहे और मेजबान टीम उनसे ऐसी पिच पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी जो तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। स्पिनर अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने विकेट लिए हैं और वे बीच के ओवरों को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका पिछले मैच में दमदार बल्लेबाजी की बदौलत अपनी शानदार जीत से आत्मविश्वास हासिल किया। क्विंटन डी कॉक आक्रामक पारी खेलकर टीम की अगुवाई करने, जबकि कप्तान एडन मारक्रम अच्छी शुरुआत देने का प्रयास करेंगे। मेहमान टीम की बल्लेबाजी की गहराई, जिसे डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर और डोनोवन फरेरा ने मजबूत किया है। गेंदबाजी की बात की जाये तो पिछले मैच में ओटनील बार्टमैन चार विकेट लेने के बाद एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। मार्का यानसन की अतिरिक्त बाउंस और लुंगी एनगिडी के तेज आक्रमण को और मजबूत बनाया है, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावरप्ले और डेथ ओवर दोनों में दबाव बना पा रहा है।

धर्मशाला मैदान की छोटी बाउंड्री बल्लेबाजों के सेट होने के बाद स्ट्रोक प्ले में मदद करती हैं। इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 187 के करीब है और शाम को बाद में ओस पड़ने की उम्मीद है। दोनों टीमें सीरीज में मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने के लिए बेताब हैं, इसलिए एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है, क्योंकि भारत घरेलू फायदे पर निर्भर है जबकि दक्षिण अफ्रीका अपनी नई गति को बनाए रखना चाहेगा।

संभावित भारतीय टीम: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा।

संभावित दक्षिण अफ्रीका टीम: रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), एडन मारक्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, जॉर्ज लिंडे, मार्का यानसन, लुथो सिपामला, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन, ट्रिस्टन स्टब्स, केशव महाराज, एनरिक नॉर्टजे, टोनी डी जॉर्जी, कॉर्बिन बॉश, रीजा हेंड्रिक्स और क्वेना मफाका।

दीपक हुड्डा संदिग्ध गेंदबाजी सूची में

नयी दिल्ली 13 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को 16 दिसंबर को होने वाले नीलामी से पहले आईपीएल फ्रेंचाइजी को हुड्डा के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के बारे में यह जानकारी दी। घरेलू क्रिकेट में राजस्थान के लिए खेलने वाले 30 साल के ऑलराउंडर हुड्डा पिछले आईपीएल सीजन की तरह ही अभी भी संदिग्ध सूची में बने हुए हैं। पार्ट-टाइम ऑफ-स्पिन गेंदबाज हुड्डा ने पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सात आईपीएल मैच खेले थे, लेकिन उनमें से किसी में भी गेंदबाजी नहीं की थी। हालांकि, उन्होंने तब से बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में छह ओवर फेंके हैं। रणजी ट्रॉफी में एक ओवर और चल रही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पांच ओवर।

आखिरी मैच उन्हें आठ दिसंबर को झारखंड के खिलाफ गेंदबाजी करते देखा गया था। अगर उन्हें फिर से संदिग्ध एक्शन के लिए बुलाया जाता है, तो उन पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध लग सकता है। उन्होंने अहमदाबाद में उस मैच में तीन ओवर फेंके थे और 24 रन देकर तीन विकेट लिए थे।

हुड्डा ने भारत के लिए 10 एकदिवसीय और 21 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेले हैं, अबू धाबी नीलामी में एएल1 (ऑलराउंडर) कैटेगरी में 75 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ शामिल हैं। एएल1 कैटेगरी में सात खिलाड़ी हैं, जिनमें वेंकटेश अय्यर, वानिंदु हसरंगा और रचिन रवींद्र शामिल हैं।

संदिग्ध एक्शन वाले दूसरे खिलाड़ी जम्मू और कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक है। उसका बेस प्राइस 30 लाख रुपये है। कर्नाटक के 29 साल के ऑफ-स्पिनर केएल श्रीजीत (नीलामी सूची में नंबर 354) पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध है, उन पर पिछले सीजन में ही प्रतिबंध लगा दिया गया था। मध्य प्रदेश के ऋषभ चौहान (नीलामी सूची में नंबर 345) भी प्रतिबंधित सूची में शामिल हैं।

अफगानिस्तान को बांग्लादेश अंडर-19 टीम ने तीन विकेट से हराया

दुबई 13 दिसंबर। सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार (96) और रिफत बेग (62) की शतकीय साझेदारी की बदौलत बंगलादेश ने शनिवार को अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में अफगानिस्तान को सात गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया।284 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश के लिए सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार और रिफत बेग ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। पहले विकेट के रूप में रिफत बेग 68 गेंदों में 62 रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शतक की ओर बढ़ रहे जवाद अबरार को 112 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 96 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। दोनों सलामी बल्लेबाजों को रूहल्लाह अरब ने आउट किया। कप्तान अजीजुल हकीम (44) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद अफगानिस्तानी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार बंगलादेश को संकट में डाल दिया था। कलाम सिद्दीकी (29) बनाकर आउट हुये तथा एमडी अब्दुल्ला (दो), समीउन बसीर (एक) को रनआउट हुये। शेख परवेज जीबोन (13) के रूप में सातवां विकेट गिरा। रिजान होसैन 17 रन बनाकर नाबाद रहे। 49वें ओवर की पांचवीं गेंद पर शहरयार अहमद ने विजयी रन बनाया। अफगानिस्तान के लिए खातिर स्तानिकजई, रूहुल्लाह अरब को दो-दो विकेट मिले। सलाम खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मेसी का कोलकाता में जोरदार स्वागत, झलक न दिखने से गुस्साए दर्शक

कोलकाता, 13 दिसंबर। अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी को 14 साल बाद फुटबॉल के दीवानों के शहर कोलकाता में लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। शहर में हजारों प्रशंसक, अपने पसंदीदा वैश्विक सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए, मध्यरात्रि के बाद कड़ाके की ठंड में भी डटे रहे। हालांकि, बाद में साल्ट लेक स्टेडियम (युवा भारती क्रीड़ांगन) में यह उत्साह उस समय अराजकता और निराशा में बदल गया, जब उनके प्रशंसक मेसी की एक झलग ठीक से नहीं पा सके। मेसी का विमान नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कल देर रात उतरा। उनके आगमन पर वहां मौजूद लोगों में जोश भर गया। उनके समर्थक बार्सिलोना की नंबर 10 जर्सी पहने उनका नाम लेकर चिल्ला रहे थे और अर्जेंटीना के झंडे लहरा रहे थे। भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद, भीड़ हवाई अड्डे के परिधि और हयात रीजेंसी होटल के पास जमा हो गई। मेसी को इस होटल में ठहराया गया था। भारतीय फुटबॉल का मक्का" कहे जाने वाले कोलकाता शहर ने मेसी की दूसरी यात्रा को यादगार बनाने के लिए पूरे मन से तैयारी की थी। इनमें ईएम बाईपास पर लेक टाउन क्रॉसिंग पर फैन ज़ोन और एक विशाल 70 फुट की प्रतिमा शामिल थी। सूत्रों ने बताया कि साल्ट लेक स्टेडियम के पास होटल जाते समय, मेसी को शहर के प्रवेश द्वार वीआईपी रोड पर बिग बेन क्लॉक टॉवर के पास फीफा विश्व कप पकड़े हुए उनकी एक सफेद प्रतिमा दिखाई गई। प्रशंसकों की भीड़ में नादिया जिले के कल्याणी से एक किशोर लड़का भी व्हीलचेयर पर यात्रा करके आया था। मेसी के कट्टर समर्थक उनको फुटबाल का "भगवान" मानते हैं। मोहन बागान क्लब के सदस्य सुरजेंदु गांगुली ने कहा, "मेसी का कोलकाता आना एक बड़ी बात है। यह वैसा ही है जैसे 1977 में पेले हमारे क्लब के खिलाफ एक दोस्ताना मैच खेलने के लिए इस शहर में आए थे। तब भी शहर के लोगों में इसी तरह का जोशखरोश देखा गया था।" इंटर मियामी के लिए खेलने वाले 38 वर्षीय मेसी का शहर में संक्षिप्त कार्यक्रम था।

श्रीलंका की अंडर-19 टीम ने नेपाल को 8 विकेट से हराया

दुबई, 13 दिसंबर। सेतमिका सेनेविरत्ने (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद दिमांता महाविताना (नाबाद 39) और कविजा गमागे (24) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में नेपाल को 211 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 14.5 ओवर में दो विकेट पर 84 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमांता महाविताना ने 49 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से (नाबाद 39) रनों की पारी खेली। कविजा गमागे ने 29 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 24) रन बनाये। विरन चामुदिता (10) और के वितानापतिराना (दा) रन बनाकर आउट हुये। नेपाल के दयानंद मंडल ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

राजधानी

भजनलाल सरकार लगाएगी 16 से 24 दिसंबर तक शहरी समस्या समाधान शिविर

अधिकाधिक शिकायतों का निस्तारण करें, प्रकरण निरस्त करने पर देना पड़ेगा स्पष्टीकरण : देवाशीष पृष्टि

यूडीएच प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने शनिवार को अधिकारियों की बैठक लेकर शहरी समस्या समाधान शिविर के बारे में चर्चा की।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश में 16 से 24 दिसंबर तक शहरी समस्या समाधान शिविर लगाए जाएंगे। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इन आठ दिवसीय शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए है। इनकी तैयारियों के लिए शनिवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर के अधिकारियों से चर्चा की। पृष्टि ने शिविरों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग तथा जनसुविधाओं को सुचारु रूप से सुनिश्चित करने संबंधी सभी बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही शहरी सेवा शिविर में किए गए कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। देबाशीष पृष्टि ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुसार शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय और प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से किया जाए। जहां लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्राप्त होने वाले सभी नए आवेदनों का निस्तारण शिविर स्थल पर ही उसी दिन किया जाना सुनिश्चित करें। अगर किसी प्रकरण को रिजेक्ट किया जाएगा तो उसके संबंध में सपष्टीकरण दिया जाना अनिवार्य होगा। पृष्टि ने सभी नगरीय निकायों और विकास प्राधिकरण को अपने क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उस क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं को दूर करने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएँ यथावत लागू रहेंगी। पृष्टि ने बताया की प्रमुख एवं फॉलो अप शिविर में पट्टों से संबंधित प्रकरणों में 39 हजार 800 प्रकरणों का निस्तारण किया गया था इसी के साथ ही अन्य भूमि से संबंधित प्रकरणों में 20 हजार 888 प्रकरणों का निस्तारण भी किया गया। जिनमें नाम हस्तान्तरण के 10 हजार 30 प्रकरण, यू.डी. टैक्स के 3 हजार 987 प्रकरण, भवन मानचित्र के 3 हजार 554 प्रकरण, भूखण्डों के उप विभाजन/पुनर्गठन के 1 हजार 753 प्रकरण, निर्माण अवधि विस्तार के 776 प्रकरण, नगरीय विकास/आवासन मण्डल द्वारा ब्याज छूट देकर की गई वसूली के 365 प्रकरण तथा भू-उपयोग परिवर्तन के 423 प्रकरणों स्वीकृत किया गया तथा घर-घर कचरा संग्रहण के 43 हजार 269 प्रकरणों का भी निस्तारण एवं व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के 4 हजार 977 आवेदनो का अनुमोदन कर प्रथम किश्त जारी करने के प्रकरण शामिल है। बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर, अतिरिक्त निदेशक सीमा सहित सभी नगरीय निकायों और नगरीय विकास न्यास के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

- **इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएँ यथावत लागू रहेंगी**
- **राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय और प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से लगाया जायेगा शिविर**

'प्रदेश का विकास गहलोत को पच नहीं रहा'

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गलत तथ्यों पर आधारित बयान जारी कर राजस्थान की जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है।

गृह राज्य मंत्री ने कहा है कि दो वर्षों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकास हुआ है। यह विकास पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पच नहीं रहा है।गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एनसीआरबी के आंकड़े नहीं देखे हैं। क्योंकि इनके राज में प्रदेश में जंगलराज था और हमारी सरकार के दो वर्षों में सभी प्रकार के अपराधों में लगभग 13 प्रतिशत की कमी आई है। प्रदेश में उद्योग स्थापित हुए हैं और राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रूपए के एमओयू किए हैं। 92000 लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा है कि हमारी सरकार में देश विदेश के प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित कर प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया। जिससे प्रदेश के विकास को गति मिलेगी।

'अल्बर्ट हॉल क्यों, डोटासरा के पास तथ्य हैं तो विधानसभा में करें बहस'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को जवाब दिया

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष द्वारा शुक्रवार को दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि डोटासरा के पास यदि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार से तुलना करने लायक तथ्य हैं, तो वे अल्बर्ट हॉल की बजाय विधानसभा में बहस करें। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि वे विधानसभा सत्र के दौरान एक पूरा दिन कांग्रेस के 5 साल और भाजपा शासन के 2 वर्ष के कार्यकाल पर बहस करवाएं।

- **मदन राठौड़ ने कहा कि, " डोटासरा के पास यदि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार से तुलना करने लायक तथ्य हैं, तो मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि वे विधानसभा सत्र के दौरान एक पूरा दिन कांग्रेस के 5 साल और भाजपा शासन के 2 वर्ष के कार्यकाल पर बहस करवाएं।"**

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और अन्य नेता झूठ का पुलिंदा लिए घूमते हैं। जिन लोगों ने राज्य की जनता के अमूल्य 5 वर्ष आपसी फूट और लडाई में बर्बाद कर दिए, वे आज जनता के लिए बेहतरीन काम कर रही सरकार के खिलाफ झूठी बातें परोस रहे हैं और विधानसभा में बहस करने से भाग रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में इन 2 वर्षों में राज्य की जनता के लिए भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे पानी के लिए महतवपूर्ण समझौते करना हो, ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना हो, युवाओं को रोजगार देना हो, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास कार्य कराना हो-सभी क्षेत्रों में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस राज में राजस्थान जिस बदहाली के दौर से गुजर रहा था, वो किसी से छुपा हुआ नहीं है। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पेपरलीक, महिला अत्याचार, साम्प्रदायिक दंगे और साइबर अपराध जैसे मामलों में राजस्थान देश में नम्बर 1 राज्य बन गया था। आज भाजपा की सरकार में राजस्थान की जनता को कांग्रेस के काले कारनामों से छुटकारा मिला है। भाजपा सरकार ने सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई कर दोषी लोगों को कटघरे में खड़ा किया है। इन सभी विषयों पर प्रभावी कार्यक्रम-नीति बनाकर सभी वर्गों को राहत देने का काम इस सरकार ने किया और इन क्षेत्रों में 2 वर्ष के कालखंड में ही उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

जयपुर में हुक्का बार पर छापेमारी, 5 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। सीएसटी क्राइम ब्रांच टीम ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ख्वाब रेस्टोरेंट एण्ड क्लब व ब्रूज क्लब बेलाकासा पर कार्रवाई कर 5 अभियुक्तों को हिरासत में लिया है, वहीं दो आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त अभिजीत सिंह ने बताया कि विशेष टीम ने एयरपोर्ट थाना ,गांधी नगर पूर्व बुर्ज क्लब बेला कासा व ख्वाब रेस्टोरेंट एण्ड क्लब पर कार्रवाई कर पांच व्यक्तियों को कोटप्पा एक्ट में गिरफ्तार किया है। वहीं दो व्यक्तियों को धारा 170 बीएनएसएस -2023 के तहत हिरासत में लिया है। पुलिस ने रमाकांत (35) पुत्र गिरधारीलाल, मालवीय नगर निवासी , निखिल (33) पुत्र सुरेश ,महोदव नगर पांच्यावाला, देवराज स्वामी (24) पुत्र मोती दास, सवाई माधोपुर हाल बुर्ज क्लब बेला कासा होटल ,टोंक रोड निवासी , विजय पुत्र (34) निरंजन क्लब बुर्ज बेलाकास निवासी व अजय निठारवाल (27) पुत्र राम कुमार बुर्ज क्लब बेलाकासा होटल निवासी को हिरासत में लेकर इनके पास से 5 हुक्का , पाचं चिलम,पांच पाईप व 15 डिब्बे तम्बाकू फ्लेवर जब्त किए है।

लोकतंत्र की पाठशाला बनेगी विधानसभा

जयपुर (कासं)। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संवाद और 21वीं सदी के आवश्यक जीवन कौशल विकसित करने की दिशा में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एक अभिनव पहल कर रहा है। इसके तहत 15 दिसंबर को राजस्थान विधानसभा में राज्य स्तरीय 'राजस्थान युवा सभा' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यभर से चयनित 158 विद्यार्थी विधानसभा में जनप्रतिनिधियों की भांति बैठकर मॉक सत्र में भाग लेंगे और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे।च

स्मैक तस्करी और हथियार रखने के 3 बदमाश दबोचे

- **पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्मैक, नकदी और देशी पिस्टल व कारतूस जब्त किए**
- **पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य बदमाशों तथा गिरोह के बारे में जानकारी जुटा रही**

जयपुर (कासं)। जयपुर शहर में अवैध नशे और हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला विशेष टीम (डीएसटी) जयपुर पूर्व और मालवीय नगर,प्रताप नगर और रामनगरिया थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी और अवैध हथियार रखने के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नशीला पदार्थ, नकद राशि, स्कूटी और देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि शहर में अवैध नशे के कारोबारियों और हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' और ऑपरेशन 'आग' के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्तों के निर्देशन में जिला विशेष टीम एवं थाना मालवीय नगर, रामनगरिया और प्रतापनगर की संयुक्त टीमों का गठन किया गया था।

जहां पहली कार्रवाई में थाना मालवीय नगर क्षेत्र से स्मैक सप्लायर कमलेश सांसी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम 27 मिलीग्राम अवैध स्मैक और परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी जब्त की गई। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। वहीं दूसरी कार्रवाई थाना रामनगरिया क्षेत्र में की गई। जहां स्मैक बेचने के आरोप में मनोज शर्मा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 7 ग्राम 97 मिलीग्राम स्मैक और बिक्री से प्राप्त 4 हजार रुपये नकद बरामद किए।

'जिसे नियम सिखाने थे वही तोड़ बैठा कानून'

रामगंजमंडी, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमण्डी के नगरपालिका क्षेत्र में विकास कार्यों के अधिकार और नियमों को ताक पर रखकर पंचायत समिति द्वारा भी एसडीएम कार्यालय परिसर में टिन शेड का निर्माण किया जाना अब बड़े प्रशासनिक विवाद का कारण बन गया है।

सूत्रों के अनुसार यह मामला न केवल अधिकार क्षेत्र के उल्लंघन का है, बल्कि सरकारी धन के उपयोग में गंभीर अनियमितताओं की ओर भी इशारा करता है। जो पद का दुरुपयोग करते हुए बगैर नगर पालिका स्वीकृति के आचार संहिता लगने से कुछ दिन पूर्व ही आनन फानन में करवाया गया है, जिसकी कार्यवाही के साथ वसूली सुनिश्चित किया जाना भी आवश्यक है। नियमों के अनुसार नगरपालिका सीमा क्षेत्र में समस्त विकास कार्य नगर पालिका द्वारा ही कराए जाने चाहिए, लेकिन इसके विपरीत पंचायत समिति खैराबाद ने न केवल प्रस्ताव पारित किया, बल्कि नगरपालिका क्षेत्र की भूमि पर निर्माण कार्य भी करवा दिया। इससे साफ है कि नियमों की निगरानी करने वाले विभागों में ही नियमों को नजरअंदाज किया गया। हैरानी की बात यह है कि इस निर्माण कार्य के लिए जिला परिषद कोटा ने पंचायत समिति खैराबाद के प्रस्ताव पर वित्तीय स्वीकृति आदेश संख्या 2851070 (वर्ष 2023-24) के तहत 15 मार्च 2024 को 5 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की। इससे भी अधिक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि भुगतान एजेंसी ग्राम पंचायत देवली खुर्द को बनाया गया, जबकि कार्य स्थल और क्षेत्र दोनों ही नगरपालिका सीमा में आते हैं। प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि नगर पालिका क्षेत्र में ग्राम पंचायत द्वारा भुगतान करना नियमों के प्रतिकूल है और यह सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता और अधिकार क्षेत्र के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब नगर पालिका मौजूद है, तो ग्राम पंचायत को भुगतान एजेंसी क्यों बनाया गया? स्थानीय नागरिकों में इस पूरे प्रकरण को लेकर गहरा रोष है। उनका कहना है कि यदि इसी तरह विभाग आपस में नियमों को तोड़ते रहेंगे, तो जवाबदेही किसकी होगी? यह मामला अब केवल एक टिन शेड निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सरकारी कार्यप्रणाली की पारदर्शिता पर बड़ा प्रश्नचि बन चुका है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में जांच के आदेश देता है या फिर यह भी फाइलों में दबकर रह जाएगा। लेकिन इतना तय है कि यह मामला नियमों की धज्जियां उड़ाने का एक बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है।

वूमेनिया लाइफ़स्टाइल एक्जीबिशन के पहले दिन उमड़ा उत्साह

- लाइव स्टॉल डेमो से बने उत्पाद रहे आकर्षण
- गणमान्य अतिथियों की विशेष मौजूदगी रही

कोटा, (निसं)। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें व्यवसायिक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित वूमेनिया लाइफ़स्टाइल एक्जीबिशन का शुभारंभ शनिवार, 13 दिसंबर को माहेश्वरी भवन, कोटा में भव्य रूप से हुआ। प्रदर्शनी के पहले दिन ही शहरवासियों, विशेषकर महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

केट वीमेन विंग की अध्यक्ष नीलम विजय ने बताया कि कार्यक्रम में केट के राष्ट्रीय महासचिव एवं चांदनी चौक दिल्ली के सांसद प्रवीण खंडेलवाल, कोटा नागरिक सहकारी बैंक के चेयरमैन राजेश बिरला, कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा, कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु बी.पी. सारस्वत, केट के प्रदेशाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला तथा धाकड़ समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री नगर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व साँवरिया सेठ के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर कोटा वेट लिफ्टिंग के ज़िलाध्यक्ष जसपाल सिंह आहलूवालिया, कोटा केट के अध्यक्ष अनिल मूंदड़ा, सचिव अशोक माहेश्वरी, भाजपा नेता मुकेश विजय, सहित शहर के अनेक गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

अतिथियों ने वूमेनिया लाइफ़स्टाइल एक्जीबिशन की सराहना करते हुए इसे महिलाओं के लिए प्रेरणादायक और सशक्त मंच बताया। प्रदर्शनी में फैशन, लाइफस्टाइल, हैंडलूम, ज्वेलरी, क्लोदिंग, होम डेकोर, फूड स्टॉल्स सहित महिलाओं द्वारा संचालित विभिन्न स्टार्टअप्स के स्टॉल लगाए गए। आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वरोज़गार से जोड़ना और आत्मनिर्भर भारत की सोच को सशक्त करना रहा। लाइव काउंटर के माध्यम से विजिटर्स को यह देखने का अवसर भी मिला कि उत्पाद किस प्रकार तैयार किए जाते हैं। आयोजकों के अनुसार प्रदर्शनी का दूसरा दिन और भी आकर्षक गतिविधियों एवं सहभागिता के साथ आयोजित किया जाएगा।

इस आयोजन में फोटो सेशन, लक्की ड्रा, ग्रुप व किट्टी कॉन्टेस्ट, ग्रुप ड्रैस थीम जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हो रहा है। बच्चों के लिए वुमनिया ऑन कैनवास एवं खुशी के पल जैसे विशेष आयोजन का मुख्य आकर्षण रहे। उत्पादों पर विशेष स्कीम व सेल के तहत लोगों को किफायती दरों पर सामान मिल रहा है। प्राप्त आय से वर्षभर सामाजिक व जरूरतमंद वर्ग की सहायता की जाएगी।

विकास रथों को हरी झंडी दिखाई

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार के 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों, फ्लेगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों में जाने वाले विकास रथों को शनिवार को शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, शहर जिला अध्यक्ष राकेश जैन, जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल सहित अन्य जन प्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री दिलावर ने विकास रथ के चालकों एवं सहयोगी स्टाफ को माला पहनाकर सम्मानित किया। इन विकास रथों पर लगी एलईडी पर ऑडियो-वीडियो के माध्यम से पिछले दो साल में हुए विकास कार्यों, राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, घोषणाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन को दी जाएगी। कोटा जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों कोटा दक्षिण, लाडपुरा, कोटा उत्तर, सांगोद, रामगंजमंडी एवं पीपल्दा में ये रथ तय रूट चार्ट के अनुसार जाएंगे।

विधायक धारीवाल ने सरकार की कार्यप्रणाली पर हमला बोला

कोटा, (निसं)। राज्य में बीजेपी सरकार के दो साल पूरे होने पर पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने सरकार की कार्यप्रणाली पर हमला बोला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि दो वर्षों में मौजूदा सरकार विकास की एक भी ईंट नहीं रख सकी है और विकास रथ के नाम पर जनता को सिर्फ जुमले परोसे जा रहे हैं। शांति धारीवाल ने कहा कि किसान, युवा, व्यापारी और आम नागरिक हर तबका आज निराश है। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई काम नजर नहीं आ रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने जनता को गुमराह कर चुनावी ठगी की और अब डबल इंजन सरकार पूरी तरह फेल साबित हो रही है।

पूर्व मंत्री ने विशेष रूप से कोटा के पर्यटन विकास प्रोजेक्ट्स का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जिन योजनाओं पर काम हुआ, उनकी मौजूदा सरकार ठीक से सार-संभाल तक नहीं कर पा रही है। चंबल रिवर फ्रंट, पार्कों और शहर के सौंदर्यीकरण जैसे प्रोजेक्ट्स उपेक्षा का शिकार हैं। रखरखाव के अभाव में ये योजनाएं बदहाली की ओर बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि विकास रथ निकालने की बात करने वाले बीजेपी के जनप्रतिनिधियों के पास दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है। यह विकास रथ नहीं, बल्कि जुमला रथ है, जिसे जनता के बीच घुमाया जा रहा है।

किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि फसल नुकसान, मुआवजा और रोजगार जैसे मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल रही है। युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।

अतिवृष्टि और डेमो संभारी से तबाह हुई फसलों का किसानों को अब तक कोई मुआवजा नहीं दिया गया जो किसान अपनी बची कूची फसल लेकर मंडियों में पहुंच रहे हैं उनको उचित दाम नहीं मिल रहे हैं उनकी लागत भी नही निकल रही।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कृषि भूमि रूपांतरण नगर पालिका अन्ता

क्रमांक : 2679 **लोक सूचना** दिनांक : 13.12.2025

श्री रामेश्वर मीणा पुत्र लीलाराम निवासी अंता ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक डेयरी फार्म औद्योगिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षैत्र.
अन्ता तहसील बारां	राजस्व ग्राम अंता	2242/273 रकबा 0.11 हैक्ट.	1100 वर्ग मीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 13.12.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी
अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका अन्ता

एलन में नए सत्र के एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 को

कोटा, (निसं)। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में सत्र 2026-27 में होने वाली इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नए सत्र में एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 दिसम्बर को होगा। प्रवेश व प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित किया जाने वाला एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (ए-सेट) कोटा सहित देशभर के केन्द्रों पर होगा। परीक्षा में शामिल होकर स्टूडेंट्स एलन फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं। अगला नेशनल एसेट 4 जनवरी को होगा। एलन की ओर से इस एसेट में शामिल होकर एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को दोहरा लाभ दिया जा रहा है, जो स्टूडेंट्स 21 दिसम्बर को एसेट में शामिल होकर एडमिशन लेते हैं, उन्हें स्कॉलरशिप के साथ रियायती फीस पर प्रवेश का मौका मिलेगा। जेईई और नीट के बैच आगामी महीनों में शुरू होने जा रहे हैं। ए-सेट के माध्यम से हर स्ट्रीम का स्टूडेंट स्वयं का असेसमेंट कर सकता है। यह पेपर साइंटिफिक, एकेडमिक व साइकोलॉजिकल असेसमेंट के लिए तैयार किया जाता है, जिसमें बेस सब्जेक्ट व आईक्यू के प्रश्न होते हैं।

एफडीआई के नाम पर लूट रही हैं विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियां, नई नीति से लगेगी लगाम : सांसद प्रवीण खंडेलवाल

- भारतीय व्यापार संघ के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि ई-कॉमर्स के माध्यम से नकली सामान बेचे जाने के मुद्दे पर भी सतर्कता जरूरी है

कोटा, (निसं)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के महासचिव एवं दिल्ली की चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि ऑनलाइन व्यापार कर रही विदेशी कंपनियां एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के नाम पर लूट कर रही हैं। वे सभी ऐसे कार्य कर रही हैं जो एफडीआई नीति में प्रतिबंधित हैं।

इनमें प्रेडिक्टरी प्राइसिंग, गिफ्ट, डिस्काउंट, लॉस फंडिंग और इन्वेंटरी पर नियंत्रण जैसी प्रथाएं शामिल हैं। इन सब पर केंद्र सरकार सख्ती बरतने जा रही है। ई-कॉमर्स पर नई नीति एवं उपभोक्ता मामलों के नियम जल्द ही आने वाले हैं। राष्ट्रीय व्यापार नीति पर भी कार्य चल रहा है। सांसद खंडेलवाल शनिवार को कोटा दौरे पर थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि व्यापारियों के कौशल विकास के साथ-साथ उनकी एक ऑनलाइन दुकान भी होनी चाहिए क्योंकि बाजार उपभोक्ता की मांग के अनुरूप चलता है। उपभोक्ता की सुविधा के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म विकसित करना जरूरी है यदि भारतीय व्यापारी यह क्षमता विकसित कर लें, तो उन्हें नुकसान नहीं होगा। केंद्र एवं राज्य सरकारों से इस मुद्दे पर लगातार बातचीत हो रही है। आने वाले समय में एक मज़बूत तंत्र बन जाएगा जिसके बाद कोई भी विदेशी कंपनी अनियमितता करते हुए पकड़ी जाएगी।

उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स के माध्यम से नकली सामान बेचे जाने के मुद्दे पर भी सतर्कता जरूरी है लेकिन इसके लिए उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना पड़ेगा। जब वे असली सामान के पैसे दे रहे हैं तो घटिया या नकली माल क्यों खरीदें। उपभोक्ता जागरूकता बढ़ेगी तभी यह अभियान सफल होगा। इसलिए हमने कई उपभोक्ता समूहों, परिवहन, लघु उद्योग एवं अन्य संगठनों के साथ मिलकर एक व्यापक मोर्चा (अंब्रेला) तैयार किया है ताकि सामूहिक शक्ति से ऑनलाइन विदेशी कंपनियों के प्रतिरोध को मजबूत किया जा सके। कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी ने कहा कि जिस तरह स्थानीय बाजार को उभारने के लिए कैट काम कर रहा है उसी तरह स्वदेशी वस्तुओं के साथ स्वदेशी पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम पर हजारों करोड़ रुपए विदेश में खर्च किए जाते हैं। यह पैसा भारत में ही खर्च होना चाहिए जिससे यहां व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/1689 **विज्ञप्ति** दिनांक:-12.12.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम तेखड़ा योजना "प्रताप नगर प्रथम" खसरा नं. 33 में स्थित भूखण्ड संख्या 250 (दक्षिणी) के नाम हस्तान्तरण करने हेतु न्यास कार्यालय में श्री ईशान दीवान पुत्र श्री आशीष दीवान निवासी-250-ए प्रताप नगर प्रथम, बोरखेडा, कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 476 दिनांक 07.12.2015 को श्रीमती सावित्री दीवान पत्नि स्व. श्री सुभाष चंद दीवान के पक्ष में जारी किया गया था। आवेदक द्वारा संलग्न मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार पट्टेधारी की मृत्यु दिनांक 06.05.2018 को हो चुकी हैं। पट्टेधारी द्वारा अपने जीवनकाल में एक वसीयत अपने पौत्र ईशान दीवान के पक्ष में दिनांक 13.07.2016 को आलेखित की गई थी। आवेदक द्वारा प्रस्तुत (1) वसीयत (2) शपथ-पत्र एवं (3) मृत्यु प्रमाण-पत्र के आधार पर नाम हस्तांतरण चाहा गया हैं।

अत: श्री ईशान दीवान पुत्र श्री आशीष दीवान के नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2551 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 5.12.2025

आवास संख्या 2-एच-37 रंगबाडी, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री कुन्जबिहारी चित्तौडा पुत्र श्री भंवरलाल चित्तौडा को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री कुन्जबिहारी चित्तौडा पुत्र श्री भंवरलाल चित्तौडा द्वारा दिनांक 03.06.2022 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरान्त श्री कुन्जबिहारी चित्तौडा पुत्र श्री भंवरलाल चित्तौडा द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 19.06.2023 को श्री श्याम सुन्दर शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा को किया गया। श्री श्याम सुन्दर शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा का नाम दिनांक 03.06.2024 को विक्रय पत्र के आधार पर उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्री श्याम सुन्दर शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 03.10.2025 को श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री रामदयाल गुप्ता को किया गया। श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री रामदयाल गुप्ता द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 2-एच-37 रंगबाडी, कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मण्डल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री रामदयाल गुप्ता का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री रामदयाल गुप्ता का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री रामदयाल गुप्ता का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2648 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 12.12.2025

आवास संख्या 4/191 स्वामी विवेकानन्द नगर, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री नैनसुख सिंह को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री नैनसुख सिंह द्वारा दिनांक 30.07.2001 को अपने पक्ष में करवाया गया। श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री नैनसुख सिंह की मृत्यु को जाने के पश्चात उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन रिलीज डीड (त्याग पत्र) के आधार पर दिनांक 05.08.2019 को श्री मनोज सिंह पुत्र स्व. श्री हरदेव सिंह के पक्ष में किया गया। तत्पश्चात् श्री मनोज सिंह पुत्र स्व. श्री हरदेव सिंह द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 13.11.2025 को श्री दिलीप कुमार मालव पुत्र श्री जानकीलाल मालव को किया गया। श्री दिलीप कुमार मालव पुत्र श्री जानकीलाल मालव द्वारा इस कार्यालय मे प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 4/191 स्वामी विवेकानन्द नगर, कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मण्डल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्री दिलीप कुमार मालव पुत्र श्री जानकीलाल मालव का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्री दिलीप कुमार मालव पुत्र श्री जानकीलाल मालव का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में श्री दिलीप कुमार मालव पुत्र श्री जानकीलाल मालव का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

सार-समाचार

मारपीट का इनामी आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने मारपीट के दर्ज मामले में कार्यवाही करते हुए फरार चल रहे 5 हजार के इनामी आरोपी को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 25 मार्च को फरियादिया ने थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि संतोष व अन्य उसके बेटे को शराब पिलाने के लिये ले गये और एरोडम सर्किल पुलिया के नीचे उसके बेटे से मारपीट कर फरार हो गये। शहर एसपी ने बताया कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि फरार आरोपी संतोष की गिरफ्तारी के लिये गुमानपुरा थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिये जगह-जगह दबिश दी गई, फरार आरोपी का सुराग नहीं मिलने पर आरोपी पर 5 हजार के इनाम घोषित किया गया। शहर एसपी ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि मारपीट का फरार आरोपी संतोष परिवार सहित रायपुर छत्तीसगढ़ में फरारी काट रहा है। जिस पर पुलिस टीम छत्तीसगढ़ भेजी गई। पुलिस टीम ने रायपुर छत्तीसगढ़ में दो दिन तक आरोपी की तलाश की एवं कार्यवाही करते हुए आरोपी संतोष को डिटेन किया, पुलिस टीम ने अनुसंधान कर प्रकरण में फरार इनामी आरोपी रामचन्द्रपुरा छावनी निवासी संतोष को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

अंतर-गृह प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई

रामगंजमण्डी, (निसं)। मंगलम विद्या विहार स्कूल मोड़क में शनिवार को अंतर-गृह प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी में समसामयिक घटनाएँ, खेल, आविष्कार, प्रसिद्ध लेखक, भारतीय संस्कृति तथा अन्य विचारोत्तेजक विषयों पर आधारित रोचक चरण शामिल थे। प्रत्येक चरण ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया, जहाँ प्रतिभागियों ने अपनी तीव्र बुद्धि, त्वरित उत्तर देने की क्षमता और उत्कृष्ट समन्वय का परिचय दिया। रोमांचक मुकाबले के बाद पृथ्वी सदन ने विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। जबकि अग्नि सदन प्रथम उपविजेता रहा। दोनों सदनों की उपलब्धियों पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। अन्य सदनों की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी और सराहनीय प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की गई। परिणामों की घोषणा एवं पुरस्कार वितरण विद्यालय के प्राचार्य गोविंद शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी और सभी विद्यार्थियों को निरंतर प्रश्न पूछते रहने, सीखने तथा कक्षा से बाहर भी ज्ञान की खोज करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ऐसे आयोजनों को आत्मविश्वासी, जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में सहायक बताया। कार्यक्रम प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ।

प्राकट्य उत्सव पर प्रभात फैरी निकाली

छबड़ा (निसं)। श्री विठ्ठल नाथ गोसाईं का प्राकट्यय उत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर प्रभात फैरी भी निकाली गई। अंतर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्ग वैष्णव परिषद शाखा छबड़ा के अध्यक्ष अनूप सोनी, प्रचार मंत्री मथुरेश सोनी ने बताया कि जगद्गुरु श्रीमद् वल्लभाचार्य महाप्रभु के द्वितीय आत्मज प्रभु चरण गोसाईं श्री विट्ठल नाथ का 510 वां प्राकट्यय उत्सव गोवर्धननाथ मंदिर पर मनाया गया। इसके अंतर्गत सुबह 7 बजे प्रभात फेरी निकाली गई और सायं 4 से पालना नंद महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हिम्मत सोनी, गोविंद सोनी दरबार, जगदीश सोनी, संजय माहेश्वरी ,सोमदत्त सेन, हरि ओम, नीरज, दिलीप नामदेव, कमलेश सोनी, गोविन्द शर्मा, गिरीश सोनी, भगवान सोनी, जितेन्द्र सोनी, बाबूलाल नागर, बलराम सोनी, दिलीप चोरसिया, घनश्याम मीणा, कृष्णा सोनी, लाभांश सोनी माधव सोनी, मानवेंद्र सोनी आदि वैष्णवजन उपस्थित थे।

शिविर में 207 यूनिट रक्तदान

कोटा, (निसं)। शनिवार को कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़ एवं रामगंजमंडी के सभी शॉरुम, वर्कशॉप एवं आउटलेट में निजी संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 207 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस रक्तदान शिविर में सरकारी एवं निजी दोनो ब्लड बैंक की टीमों को आमंत्रित किया गया था। रक्तदान शिविर लगाकर समाज हितकर कार्य करके समाज को, जनहित, सामाजिक हित में बेहतरीन संदेश दिया है जो समाज के लिए अनुकरणीय है। शिविर में कम्पनी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान में हिस्सा लिया। अंत में विश्व सिंधी सेवा संगम के अध्यक्ष प्रेम भाटिया ने ब्लड बैंक टीम एवं सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित किये

कोटा, (निसं)। सर्दी की दस्तक के साथ ही सामाजिक सेवा संस्था भी आगे आने लगी है। सरकारी स्कूल में श्रीराम सेवा समिति की पदाधिकारियों ने स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरण किये। श्रीराम सेवा समिति द्वारा बडला बस्ती स्थित राजकीय प्राथमिक विघालय में छोटे-छोटे स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित किये गये, जिन्हे पाकर बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता दिखाई दी। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा कीर्तन से की गई। समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने बच्चो की पढ़ाई के महत्व, संस्कारों और नैतिक मूल्यो के बारे प्रेरक संदेश दिया। इस मौके पर शालिनी गौतम, सरोज शर्मा, प्रीति व्यास, उमा, उषा, सुरेखा, कंचन, कविता,निशा, नंदु, दीप्ती सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

कोटा में राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

कोटा, (निसं)। कोटा जिला वेटलिफ्टिंग संघ द्वारा आगामी 15 दिसंबर से 21 दिसंबर तक अस्मिता खेलो इंडिया राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता को लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

कोटा जिला वेटलिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष जसपाल सिंह आहलूवालिया एवं सचिव राजकुमार आसोपा ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन के माध्यम से कोटा वासियों को पहली बार ओलंपिक स्तर की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में 400 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न भार वर्गों में अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन करेंगे।

इस अवसर पर पोस्टर का विमोचन भाजपा नेता मुकेश विजय, युवा मोर्चा देहात ज़िलाध्यक्ष युधिष्ठिर खटाना व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ज़िलाध्यक्ष साहिल मिर्जा के साथ अध्यक्ष जसपाल आहलूवालिया व सचिव राजकुमार आसोपा ने किया। मीडिया काऑर्डिनेटर मुकेश विजय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कई खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए प्रत्येक भार वर्ग में आकर्षक प्रोत्साहन राशि भी निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता की गरिमा को और ऊँचाई देने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय कोच और अनुभवी निर्णायक भी आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। खेलो इंडिया एवं राज्य स्तरीय संगठन की ओर से रवि शर्मा एवं रतन लाल शर्मा ने इस पूरी प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी कोटा जिला वेटलिफ्टिंग संघ को सौंपी है।

इस अवसर पर कोटा जिला वेटलिफ्टिंग संघ के पदाधिकारियों में अध्यक्ष जसपाल सिंह आहलूवालिया, उपाध्यक्ष शलभ विजय, नमन जैन एवं रचित सिंह जादौन, सचिव राजकुमार आसोपा, सह सचिव अनिकेत जैन एवं वाजिद अली मंसूरी, कोषाध्यक्ष शालिनी जोशी तथा सदस्य आशिमा गोयल, राज सिंह और मीना सुमन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कोटा जिला वेटलिफ्टिंग संघ ने यह संकल्प लिया है कि यह प्रतियोगिता कोटा की धरती पर अब तक की सबसे बेहतरीन वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता साबित होगी। संघ की ओर से सभी खिलाड़ियों को उत्तम सुविधाएँ, निष्पक्ष प्रतियोगिता और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया है। यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि कोटा को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर एक नई पहचान भी दिलाएगा।

नितिन अग्रवाल होंगे रोटरी क्लब कोटा के वर्ष 2027-28 के अध्यक्ष

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा के अध्यक्ष सत्र 2027-28 के चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी बीएल गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित चुनाव प्रक्रिया में सर्वसम्मति से वर्ष 2027-28 के लिए नितिन अग्रवाल को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। सभी क्लब सदस्यों द्वारा उन्हें बधाई प्रेषित की गई।

छबड़ा में रक्तदान शिविर कल

छबड़ा (निसं)। राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर उपजिला चिकित्सालय में सोमवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी बीसीएमओ डॉ. महेश भूटानी व प्रभारी डॉ. हरिओम गोयल ने दी है।

''पेपर लीक में कांग्रेस सरकार नंबर वन थी, हमने सत्ता में आते ही कड़ी रोक लगाई : दिया कुमारी

दिया कुमारी ने पेश किया सरकार का 2 साल का रिपोर्ट कार्ड

अजमेर। राजस्थान सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर दौरे पर रहीं। यहाँ जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने सरकार की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा। इस दौरान उन्होंने

- **उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभिन्न जगहों के लिए विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।**

जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं और कार्यों के प्रचार-प्रसार के लिए विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि हमारी सरकार हर साल अपना रिपोर्ट कार्ड पेश कर रही है, जो पारदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने रोजगार के आंकडे गिनाते हुए बताया कि पिछले दो सालों में प्रदेश में 90 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं, जबकि डेढ लाख भर्तियां अभी प्रक्रियाधीन हैं, जिन्हें जल्द पूरा किया जाएगा।

कानून व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में क्राइम रेट में 19 फीसदी तक की गिरावट आई है, जिससे प्रदेश सुरक्षित हुआ है। वहीं, पर्यटन क्षेत्र को बढावा मिलने से अब पर्यटकों की आवक बढ़ी है और प्रदेश में फ़िल्मों की शूटिंग का सिलसिला भी तेज हुआ है।

राजस्थान सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर दौरे पर रहीं।

दिया कुमारी ने पेपर लीक मामले पर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "पेपर लीक में कांग्रेस सरकार नंबर वन थी, लेकिन हमने सत्ता में आते ही इस पर कड़ी रोक लगाई है। हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।" उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांठोस केवल वादे करती थी, जबकि हम काम करके दिखाते हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी विधायक अनिता भदेल ने भी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

मंच पर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए सुसज्जित विकास रथों को रवाना किया गया, जो गांव-गांव जाकर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देंगे।

'तेस्सितोरी ने राजस्थानी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई'

जोधपुर। आजादी से पूर्व राजपूताना में प्राचीन डिंगल-पिंगल, चारण-चारणेत्तर, जैन-जैनेत्तर, लोक-संत साहित्य एवं ऐतिहासिक-पुरातात्विक स्त्रोत की खोज कर डॉ.तेस्सीतोरी ने राजस्थानी भाषा साहित्य को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। यह विचार प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने जेएनवीयू के राजस्थानी शोध परिषद एवं राजस्थानी विभाग द्वारा नया परिसर स्थित राजस्थानी सभागार में आयोजित डॉ. एल पी. तेस्सितोरी के 138 वें जन्म जयंती समारोह पर आयोजित राजस्थानी व्याख्यान में व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने तेस्सितोरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को विस्तार से उजागर करते हुए कहा कि उनकी आलोचनात्मक दीठ अद्भुत थी। राजस्थानी शोध परिषद के सचिव विष्णुशंकर ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि कला शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर (डॉ) औतारलाल मीणा थे। उन्होंने कहा कि मातृभाषा हमारी पहचान है इसलिए अपने दैनिक जीवन में इसका ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए। राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने डॉ. एल.पी.तेस्सितोरी को धुन का धनी बताते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थानी भाषा-साहित्य के की खोज कर जो कीर्तिमान स्थापित किया है वो वाकई में उल्लेखनीय है।

गंगनहर में खखां हेड पर पानी की आवक घटकर हुई 1718 क्यूसेक

- **पीएस नेतेवाला और हिरणावाली वितरिकाओं में शुरू नहीं हो पाई पानी की आपूर्ति**

श्रीगंगानगर। पंजाब से बीकानेर कैनाल में पानी के उतार-चढ़ाव का क्रम जारी है। राजस्थान बॉर्डर के खखां हेड पर गंगनहर में पानी की आवक घटकर 1718 क्यूसेक रह गई।

इस माह बीकानेर कैनाल में प्रदेश के पानी का हिस्सा 1800 क्यूसेक है तथा तय हिस्से का पानी नहीं मिलने के कारण किसानों में आक्रोश है। पंजाब में बीकानेर कैनाल में आरडी 45 से शुक्रवार शाम को 2040 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया जा रहा था तथा राजस्थान बॉर्डर के खखां हेड पर सिर्फ 1718 क्यूसेक पानी की आवक हो रही थी।

पानी की आवक कम होने के कारण वरीयताक्रम के अनुसार गंगनहर से जुड़ी पीएस नेतेवाला व हिरणावाली वितरिकाओं में पानी का प्रवाह शुरू नहीं हो पाया। पीएस वितरिका क्षेत्र के किसानों को पिछली बार भी रेगुलेशन के अनुसार तय समय पर पानी नहीं मिलने के कारण किसानों की सिंचाई बारियां पिटी थी।

इस बार पीएस वितरिका सुबह 6 बजे खुलनी थी लेकिन नहीं खुली, इस कारण इस वितरिका क्षेत्र के किसानों की सिंचाई बारियां पिट गईं। नेतेवाला व हिरणावाली वितरिकाओं में पानी का प्रवाह शुरू होना था, लेकिन गंगनहर में पंजाब से पानी की आवक कम होने के कारण शुरू नहीं हो पाया। इस कारण इन वितरिका क्षेत्र के किसानों को भी सिंचाई सुविधा नहीं मिल पाई। हरविंद्र सिंह गिल, प्रोजेक्ट चेयरमैन गंगनहर पंजाब के अधिकारी ने बताया कि पर्याप्त पानी होने के बावजूद बीकानेर कैनाल को तय हिस्से का भी पानी नहीं दे रहे हैं। इस दिनों हमारे यहां सरसों, जौ, चना व गेहूं की फसलों में सिंचाई पानी की मांग बनी हुई है। लेकिन पंजाब सिंचाई विभाग के अधिकारी मनमानी कर रहे हैं तथा बीकानेर कैनाल में प्रदेश के तय हिस्से का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में प्रशासनिक व जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया है तथा समस्या के समाधान करने की मांग की है। श्रीगंगानगर करणीजी, एमएल, एमएलए व रिड़मलसर वितरिकाओं का सिस्टम बिगड़ा: वरीयताक्रम के अनुसार करणीजी, एमएल, एमएलए व रिड़मलसर आदि वितरिकाओं में शुक्रवार को पानी का प्रवाह शुरू होना है, लेकिन पंजाब से बीकानेर कैनाल में पानी की आवक कम होने के कारण गंगनहर का रेगुलेशन सिस्टम बिगड़ा हुआ है।

अजमेर में प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे हुई बड़ी लूट का खुलासा

- **अंतरराज्यीय गैंग का सरगना गुजरात से दबोचा गया, नशे और ऐश के लिए रची थी साजिश**

अजमेर, 13 दिसंबर। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे हुई 23 लाख 39 हजार रुपये की लूट की सनसनीखेज वारदात का अजमेर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में अंतर्राज्यीय लूट गिरोह के सरगना सहित कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी को गुजरात के मोरबी औद्योगिक क्षेत्र से दबोचा गया, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी अजमेर जिले के विभिन्न इलाकों से की गई है।

थानाधिकारी अरविंद चारण ने बताया कि वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की गई।

फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके फरारी मार्ग का विश्लेषण किया गया। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से पता चला कि गैंग का सरगना तिहारी निवासी सुरेंद्र चौधरी अपने साथियों के साथ गुजरात के मोरबी सिटी के इंडस्ट्रियल एरिया में छिपा हुआ है।

पुलिस ने विशेष टीम का गठन कर गुजरात रवाना किया, जिसने लगातार निगरानी और सघन तलाश के बाद सरगना सहित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अन्य आरोपियों को गांव तिहारी, थाना श्रीनगर तथा अजमेर शहर से दबोचा गया। पूछताछ में आरोपियों ने लूट की वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि महंगे शौक और नशे की लत पूरी करने के लिए उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से इस लूट को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी कमल पुत्र तीर्थदास, निवासी कुट्टी की टाल के पीछे, चौरसियावास रोड अजमेर, स्कूटी से प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे वाले गेट के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने उसकी स्कूटी को टक्कर मारकर नकदी से भरी थैली छीन ली और दो वाहनों में सवार होकर फरार हो गए थे।

इस संबंध में पुलिस थाना क्रिश्चियनगंज में प्रकरण संख्या 357/2025 धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है तथा लूटी गई राशि की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

थली गांव में बदमाशों ने की फायरिंग

गंगापुर सिटी। गंगापुर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में तीन थानों एवं आधा दर्जन से ज्यादा पुलिस चौकियां होने के बाद भी दहशतगर्दो में पुलिस का भय नहीं है जिससे आमजन को डर के साय में जीना पड रहा है।

शनिवार को शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच गंगापुर सिटी से एक बार फिर बड़ी और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थली गांव में अज्ञात बदमाशों द्वारा एक युवक को गोली मार दी गई, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार थली गांव निवासी कमलेश गुर्जर को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। गोली युवक के सीने में लगकर आर-पार हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को गंगापुर सिटी के राजकीय जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रैफर कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी और जांच तेज कर दी गई है। इस मामले में सदर थाना गंगापुर सिटी के एएसआई बच्चू सिंह ने बताया कि थली गांव में गोली चलने की सूचना मिली थी। घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस गोली कांड के कारणों, आपसी रंजिश अथवा अन्य एंगल से जांच कर रही है। घटना के बाद थली गांव सहित आसपास के इलाकों में भय का माहौल बना हुआ है। दिन दहाडे हुई फायरिंग से ग्रामीणो में पुलिस के प्रति आक्रोश चल रहा है।

'कुछ लोगों ने राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता दी'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी मानसिकता हमेशा राष्ट्रीय हितों से ऊपर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता देती रही है।

शनिवार को जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री शेखावत ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने बिना नाम लिए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि ऐसे लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए वंदे मातरम् जैसे पवित्र गीत के भी टुकड़े किए और आज भी वही मानसिकता बनी हुई है। शेखावत ने कहा कि आज भी कुछ लोग राष्ट्र की एकता और स्वतंत्रता के मंत्र को अपने राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलते हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत 4 ट्रिलियन डॉलर से बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में नया गवर्नेंस ऑर्डर लागू हुआ, जिसके चलते देश के गरीबों के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया और लगभग 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले। लोगों इससे काफी राहत मिली। कई लोगों ने इसकी प्रशंसा भी की।

शेखावत ने कहा कि देश में सद्भावनाओं का नया युग शुरू हुआ है। सरकार द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप सडक़, हाईवे, एविएशन और वॉटरवे जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व विस्तार हुआ। इससे देश में यात्रा की स्वतंत्रता और सुविधाओं को नई ऊंचाइयां मिलीं।

सतीश पूनियां के स्वागत में सुबह से किसानों और कार्यकर्ताओं का सैलाब उमड़ा

श्रीगंगानगर/ जयपुर,। राजस्थान और हरियाणा के निरंतर प्रवास पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा

- **सौभाग्यशाली हूं कि मुझे राजस्थान के कार्यकर्ताओं का अपार प्यार और आशीर्वाद 40 वर्षों से मिलता है : डॉ. सतीश पूनियां**

राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां आज श्रीगंगानगर जिले के प्रवास पर रहे, जहां वह जयपुर से ट्रेन द्वारा 10 घन्टे का सफर कर सुबह 4 बजे श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां कडाके की ठंड में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

पिछले 40 वर्षों से पूरे राजस्थान में सतीश पूनियां और पार्टी कार्यकर्ताओं का एक दूसरे के प्रति लगाव और समर्पण है कि हर समय, हर क्षण उनका और कार्यकर्ताओं का अपनत्व रहता है और इसी अपनापन, सरलता, सहजता एवं सौम्यता के कारण पूरे राजस्थान में कार्यकर्ता सतीश पूनियां को भाईसाहब बोलते हैं और सतीश पूनिया भी कार्यकर्ताओं के साथ इतने घुले-मिले हैं कि पूरे राजस्थान में और सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं को उनके नाम से पहचानते हैं।

राजस्थान और हरियाणा के निरंतर प्रवास पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां श्रीगंगानगर जिले के प्रवास पर रहे।

सतीश पूनियां ने सुबह श्रीगंगानगर सर्किट हाउस में जिलेभर के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की और वहां की स्थानीय समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को उचित समाधान के लिए दिशा निर्देश दिये। इसके अलावा सतीश पूनिया ने पदमपुर, अमरपुरा जाटान, सूरतगढ़, रघुनाथपुरा, जैतसर में भी किसानों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

सतीश पूनिया ने रायसिंहनगर नगरपालिका और श्रीविजयनगर नगर पालिका में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया और रघुनाथपुरा में भी विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। वहीं श्रीविजयनगर में घोडी पर बिठाकर सतीश पूनिया का हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने स्वागत- अभिनंदन किया। श्रीगंगानगर के पूर्व जिला प्रमुख एवं पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सीताराम मौर्य की धर्मपत्नी प्यारी देवी के निधन पर उनके निवास पर पहुंचकर सतीश पूनियां ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

सतीश पूनियां ने रायसिंहनगर में बाबा दीपसिंह जी गुरुद्वारा में मत्था टेककर देशवासियों की खुशहाली की कामना की। श्रीगंगानगर जिले में कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत होकर सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सोच रहा था कि राजनीति में क्या मिले और क्या नहीं मिला, जन्म तो ईश्वर की कृपा से मिलता है।

चालक की मौत

उदयपुर। सलूम्बर जिले के परसाद थाना क्षेत्र हाइवे पर दो ट्रकों की आमने सामने भिडंत हो गई। हादसे में एक चालक की मौत हो गई तथा एक चालक सहित तीन जने घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार परसाद थाना क्षेत्र में पाराई पुलिया के समीप शुक्रवार सांय दो ट्रकों की आमने सामने भिडंत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर परसाद थाना पुलिस के जाप्ते ने मौके पर पहुंच कर दोनों वाहनों के चालकों चन्दवाजी जयपुर निवासी रामस्वरूप तथा मुकेश तथा साथी मुकेश तथा मुकेश एवं संजय को बाहर निकाल चिकित्सालय पहुंचाया।

गड़बड़ी मिली तो हट सकती है एथेनॉल फैक्ट्री

- **किसानों की मांगों को लेकर होगा रिव्यू**
- **किसान आंदोलन में बनी सहमति**

हनुमानगढ। टिब्बी (राठ्ठीखेड़ा) में आंदोलन बीती रात स्थगित हो गया। प्रशासन और किसान प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता में कई मुद्दों पर सहमति बनी। फैक्ट्री में गड़बड़ी मिलने पर हटाने का आश्वासन दिया गया। इसके साथ ही किसानों की मांगों को लेकर रिव्यू होगा। इससे पहले ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री का विरोध दोपहर तक जारी था। उपद्रव मामले में 107 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके थे।

गौरतलब है कि 10 दिसंबर (बुधवार) को किसानों ने जिले के राठ्ठीखेड़ा गांव में निर्माणाधीन ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री की दीवार तोड़ दी थी। अंदर घुसे प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस में भी आग लगा दी थी। इस बीच पुलिस-किसानों में जमकर पत्थरबाजी हुई। बवाल में कांग्रेस विधायक सहित 70 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कुछ घायल टिब्बी के गुरुद्वारे में ही रुके हैं। फैक्ट्री के आसपास रहने वाले करीब 30 परिवार घर छोड़कर भाग गए हैं।

फैक्ट्री की दीवार तोड़ने से पहले किसानों ने महापंचायत भी की थी। नेताओं का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें लिखित में फैक्ट्री का काम रोकने का आश्वासन नहीं दिया था। चंडीगढ़ में रजिस्टर्ड ड्यून इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी राठ्ठीखेड़ा में 40 मेगावाट का अनाज आधारित एथेनॉल प्लांट लगा रही है। कंपनी का दावा है प्लांट केंद्र के एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम को सपोर्ट करेगा। सितंबर 2024 से जून 2025 तक लगभग 10 माह शांतिपूर्ण विरोध चला। जुलाई 2025 में विरोध तेज हुआ। कंपनी ने चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) का निर्माण शुरू किया, जिससे किसानों का गुस्सा भड़का।

फैक्ट्री निर्माण फिर शुरू होने से नाराजगी: 19 नवंबर 2025 पुलिस सुरक्षा में फैक्ट्री निर्माण फिर शुरू हुआ। किसान नेता महंगा सिंह समेत 12 से अधिक किसान नेता गिरफ्तार। 20-21 नवंबर 67 लोगों ने गिरफ्तारी दी। 10 दिसंबर की दोपहर किसानों ने टिब्बी एसडीएम ऑफिस के सामने बड़ी सभा की। शाम करीब 4 बजे सैकड़ों किसान ट्रैक्टर लेकर राठ्ठीखेड़ा गांव स्थित फैक्ट्री साइट पर पहुंच गए। दीवार तोड़ दी गई और पुलिस से झड़प शुरू हो गई। किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- प्रशासन ने लिखित में नहीं दिया है, लेकिन यह भरोसा दिलाया है कि अस्थाई तौर पर फैक्ट्री का काम नहीं चलेगा। किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- मांगों पर सहमति जरूर बनी है, लेकिन प्रशासन ने कोई लिखित आश्वासन नहीं दिया है। अगर 17 दिसंबर को हनुमानगढ़ में महापंचायत हुई तो किसान उसका समर्थन करेंगे। हालांकि, अब यह महापंचायत किसानों के लिए होगी, फैक्ट्री के लिए नहीं होगी। इसके साथ ही किसानों की बैङ्गक गुरुद्वारा में जारी रहेगी।

जिला कलेक्ट्रेट में भाजपा नेता और किसान प्रतिनिधिमंडल की प्रशासन से हुई वार्ता के बाद सहमति बन गई है। इस मौके पर संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा और एडीजे वीके सिंह ने कहा कि सभी आशंकाओं को लेकर बिंदुवार विषयों का रिव्यू किया जाएगा। रिव्यू होने तक फैक्ट्री में निर्माण कार्य बंद रहेगा। उन्होंने अनियमितता पाए जाने पर फैक्ट्री हटाने का आश्वासन भी दिया। हनुमानगढ़ में एथेनॉल फैक्ट्री विवाद को लेकर जिला कलेक्ट्रेट में प्रशासन और संघर्ष समिति के सदस्यों के बीच बैङ्गक चल रही है। बैङ्गक में सादुलशहर विधायक गुरवीर बराड़, एडीजीपी वीके सिंह, आईजी हेमंत शर्मा, कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव और एसपी हरिशंकर शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री प्रतिनिधिमंडल में शामिल विजेंद्र पूनिया, पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची और पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई भी मौजूद हैं। संघर्ष समिति की ओर से शबनम गोदारा, जगजीत जग्गी सहित अन्य सदस्य वार्ता में भाग ले रहे हैं।

किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- एडीजी लगातार बयान दे रहे हैं कि किसानों ने उपद्रव फैलाने का प्रयास किया और कानून व्यवस्था संभालना हमारा जिम्मा है। मैं एडीजी साहब से पूछना चाहता हूं कि कानून व्यवस्था संभालना आपका जिम्मा है, लेकिन गोली मारना आपका अधिकार है क्या हमारे पास ऐसे कई बुलेट हैं, जो हमें मिले हैं। हमारे पास रिकॉर्डिंग भी है, जिसमें एक एसआई कह रहा है कि इन्हें गोली मार दो। मैं एडीजी साहब से कहना चाहता हूं कि वे फैक्ट्री के डायरेक्टर नहीं बनें।

किसान नेता रमेश भादू ने कहा- यह आंदोलन गुरुद्वारे से चलता है और हमारा ऑफिस गुरुद्वारा है। आंदोलन को चलाने वाले लोग अलग हैं और बात करने वाले अलग हैं।

कार्यालय नगर निगम अलवर (राज0)

क्रमांक-न.नि.अल./एसबीएम/2025-26/13521 दिनांक- 10.12.2025

E-Procurement Notice Inviting Bid/2025-26

A Bid for "The Work of Catching Stray Animals like Bull, Cow, Calf, Heifer, Donkey, Buffalo, Herd, etc. Roaming in the City" is invited for interested bidders up to 2:00 PM on 22-12-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portals (https://sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in/) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 20.00 Lac.

UBN No. - DLB2526SLOB26798

Raj.Samwad/C/25/15790 Commissioner

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति "विशिष्ट श्रेणी" बारां (राज.)

क्रमांक :- 3858 - 70 दिनांक :- 10/12/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति "विशिष्ट श्रेणी" बारां द्वारा किसान कलेवा योजना के अन्तर्गत अनुदानित दर पर भोजन थाली व्यवस्था हेतु रजिस्टर्ड, प्रतिष्ठित फर्मो/अधिकृत डीलरो/विक्रेताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से शर्तरहित ऑन लाईन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट बोली दिनांक 22.12.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय पोर्टल agriculture.rajasthan.gov.in/mandi पर भी देखी जा सकता है। निविदा की अनुमानित कुल लागत 75.00 लाख रु. है।

NIB CODE - DAM2526A0619, UBN No. - DAM2526WSOB01071

राज.संवाद/सी/25/15766 सचिव

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक क्षेत्रों में संस्थानिक/ वाणिज्यिक/ ग्रुप हाउसिंग एवं गैर औद्योगिक भूखण्डों का

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

आवंटन

कुल भूखण्ड 391	अस्पताल/ नर्सिंग होम/ डिस्पेंसरी 13	वाणिज्यिक भूखण्ड 119	आवासीय/ ग्रुप हाउसिंग 68	वे ब्रिज 07	गोदाम 03
दुकानें/ शोरूम 139	होटल/ रेस्टोरेन्ट 13	पेट्रोल पम्प/ फ्यूल फिलिंग स्टेशन 07	स्कूल 07	संस्थानिक 10	कियोस्क 05

ईएमडी — प्रारम्भ तिथि: 15 दिसम्बर, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 29 दिसम्बर, 2025 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथि: 30 दिसम्बर, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 02 जनवरी, 2026 (सायं 05:00 बजे)

13 आबू रोड़	07 चूरू	05 नागौर	07 उदयपुर
15 अजमेर	10 बीकानेर	19 पाली	21 जयपुर (उत्तर)
23 अलवर	09 झुंझुनू	18 झालावाड़	02 जयपुर (दक्षिण)
13 भिवाड़ी-I	20 भरतपुर	28 किशनगढ़	08 जयपुर (ग्रामीण)
13 भिवाड़ी-II	20 किशनगढ़	19 राजसमंद	12 ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
15 घिलोठ	30 भीलवाड़ा	10 कोटा	09 जोधपुर
04 दौसा	22 नीमराना	08 सीकर	07 श्रीगंगानगर
01 बालोतरा		10 बोरानाडा	13 सवाईमाधोपुर

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005

ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएप: +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

राज.संवाद/सी/25/15721

मुख्यमंत्री ने जनपथ पर सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई

उन्होंने अमर जवान ज्योति पर सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वालों को सम्मानित किया

जयपुर, 13 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के जनपथ -स्थित अमर जवान ज्योति पर आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। उन्होंने इस दौरान सड़क सुरक्षा अभियान से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया तथा उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।**

वाले नागरिकों को सम्मानित किया। शर्मा ने इन जीवन रक्षकों का हौसला बढ़ाते हुए उनके नेक कार्य की सराहना की। सम्मानित होने वालों में संदीप गुप्ता, नितेश यादव, सुनील सिरवी, संजय कुमार एवं सुरता देवी शामिल रहे। शर्मा ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 500 ऑटो रिक्शों को भी फ्लैग ऑफ किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजनों को हैलमेट वितरण किये।

ये सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करेंगे। शर्मा ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को हैलमेट वितरण किया तथा व्यवसायिक वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा का संदेश देने वाले गुब्बारे हवा में छोड़े। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, विभिन्न विभागों के बड़े अफसर, बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित थे।

'बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई स्वागत योग्य'

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम ने बीमा क्षेत्र में सौ फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

■ **कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम ने मोदी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया व कहा, भाजपा पहले इसका विरोध करती थी।**

की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह अनुमति भाजपा के नेतृत्व वाली उसी सरकार ने दी है जो पहले एफडीआई का विरोध करती आ रही है।

चिदम्बरम ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा ''मैं बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं। मुझे गुजराल सरकार का वह दिन याद है जब भाजपा ने संसद में उस विधेयक का विरोध किया था जिसमें बीमा क्षेत्र में 20 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई थी। यह एक लंबी दूरी है जिसे हमने 1997-98 से तय किया है।''

आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि शिवकुमार वर्तमान सत्र के समाप्त होते ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह ले लेंगे।

स्टेट जीएसटी ने 200 करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ी

विभाग ने प्रदेश भर में 170 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर एक साथ सर्वे कर यह उपलब्धि हासिल की

जयपुर, 13 दिसंबर। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कर चोरी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति तथा स्वच्छ कर प्रशासन की मंशा के अनुरूप, राज्य के वाणिज्य कर विभाग (स्टेट जीएसटी) द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है। विभाग ने प्रदेशभर में एक साथ 110 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे कार्यवाही करते हुए लगभग 200 करोड़ रुपये की कर चोरी का खुलासा किया है।

यह कार्यवाही विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देश पर की गई। अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए वाणिज्य कर विभाग के 300 से अधिक अधिकारियों को शामिल करते हुए अलग-अलग टीमें गठित की गईं, जिन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ यह कार्यवाही की।

■ **विभाग को लम्बे समय से प्रदेश में प्लाईवुड, सैनेटरी आइटम, लोहा स्क्रैप, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल, कपास, टिम्बर व रियल एस्टेट आदि सैक्टर्स में कर चोरी की सूचनायें प्राप्त हो रही थीं।**

विभाग को लंबे समय से सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं कि प्रदेश में प्लाईवुड, सैनेटरी आइटम, लोहा स्क्रैप, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल, कपास, टिम्बर, रियल एस्टेट सहित, कई सेक्टर्स में कुछ व्यापारी कर चोरी में संलिप्त हैं। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर यह व्यापक अभियान चलाया गया।

प्रदेश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर विभिन्न सेक्टर्स में एक साथ कार्यवाही की गई है, जिससे कर चोरी में लिप्त व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कार्यवाही के दौरान, कई स्थानों से कच्ची पर्चियां, फर्जी बिलिंग एवं अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सर्वे कार्यवाही के दौरान ही कई व्यापारियों ने कर चोरी स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से लगभग 10 करोड़ रुपये की राशि विभाग में जमा करवाई है। विभाग द्वारा जब्त दस्तावेजों के आधार पर अब विस्तृत जांच की जाएगी, जिससे आगे और भी बड़ी राशि राजस्व के रूप में प्राप्त होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य कर विभाग द्वारा वर्तमान में कर चोरी के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले दिनों में इस प्रकार की कार्यवाहियों में और अधिक तेजी लाई जाएगी।

'मोटी तन्ख्वाह के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा से संबंधित होता है और इसे श्रम कानून के तहत प्रबंधकीय पर्यवेक्षण से नहीं जोड़ा जा सकता। कोर्ट ने यह भी जोर दिया कि एक नियामक ढांचे में प्रयुक्त कानूनी शब्दों को दूसरे नियामक ढांचे में स्वचालित रूप से लागू नहीं किया जा सकता, जिनका उद्देश्य और संदर्भ अलग होता है।

बकाया वेतन के मामले में, कोर्ट ने औद्योगिक ट्रिब्यूनल के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पायलटों की बर्खास्तगी अवैध थी और बिना उचित प्रक्रिया के की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसलों को लागू करते हुए, खंडपीठ ने यह दोहराया कि गलत बर्खास्तगी के मामलों में सेवा की निरंतरता और बकाया वेतन के साथ पुनर्नियुक्ति सामान्य नियम है, विशेष रूप से जब नियोक्ता यह साबित करने में असमर्थ हो कि कर्मचारी अन्यत्र लाभकारी रूप से कार्यरत था।

संसद पर आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। संसद पर वर्ष 2001 में आज ही के दिन किये गये आतंकवादी हमले की 24 वीं बरसी पर शनिवार को यहां देश के शीर्ष नेतृत्व ने इस हमले का मुकाबला करते हुए प्राण न्योच्छावर करने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संकल्प लिया।

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन परिसर में शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, अनेक केन्द्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा , ''मैं देश के साथ मिलकर उन बहादुर सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ, जिन्होंने हमारी संसद की पवित्रता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका अटूट साहस और सर्वोच्च बलिदान आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने के हमारे राष्ट्र के संकल्प की एक स्थायी याद दिलाता है।''

मोदी ने शहीद सुरक्षा कर्मियों के शौर्य को स्मरण करते हुए कहा , ''आज के दिन हमारा देश 2001 में संसद पर हुए जघन्य हमले में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को याद करता है।

कांग्रेस की ''वोट चोर गद्दी छोड़'' महारैली आज

दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित महारैली के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस ने वोट चोरी के खिलाफ चलाए गये अपने अभियान के तहत रविवार 14 अप्रैल को यहां रामलीला मैदान में होने वाली ''वोट चोर-गद्दी छोड़'' महा रैली की तैयारी पूरी कर ली है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को एक वीडियो जारी कर बताया कि रैली की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

■ **दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने एक वीडियो जारी कर रैली के आयोजन की तैयारियों की जानकारी दी व लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की।**

यादव ने रैली स्थल रामलीला मैदान से जारी संदेश में लोगों से बड़ी संख्या में इस रैली में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा ''मेरी अपील है कि इस रैली में शामिल होकर वोट चोरी के खिलाफ आवाज को बुलंद कीजिए और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करिए।''

इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा ''जब वोट चोरी पकड़ी गई तो चोर बौखला गया और अब वो मुद्दों को भटकाने का काम कर रहा है। वोट चोरी से जुड़े हमारे सवाल स्पष्ट हैं, जिन्हें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार पूछ रहे हैं, लेकिन जवाब नहीं मिल रहा है।

अब 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी के खिलाफ एक विशाल रैली हो रही है। मेरी अपील है कि आप सब भी रैली में आइए, क्योंकि हमें वोट चोरों को भागने नहीं देना है।''

जस्टिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह मामला न्यायमूर्ति प्रतिभा एम.सिंह और शैल जैन की खंडपीठ समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन न्यायमूर्ति शैल जैन ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, क्योंकि उनका बेटा इंडिगो में पायलट है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, इस प्रकरण को ''किसी ऐसी खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करें, जिसमें हममें से एक (न्यायमूर्ति शैल जैन) सदस्य न हों, मुख्य न्यायाधीश के आदेशों के अधीना।''

अब यह प्रकरण किसी अन्य खंडपीठ के समक्ष सम्भवतः 19 दिसम्बर को आएगा।

इंडिगो के वकील वी. लक्ष्मीकुमारन ने कहा कि एयरलाइन ने बिना किसी विवाद के बेसिक कस्टम ड्यूटी का भुगतान किया था, जब उसके विमान के इंजन और पार्ट्स मरम्मत के बाद पुनः आयात किए गए थे।

दिल्ली में वायु प्रदूषण में भारी तेजी

ग्रैप-3 नियम लागू करने के कुछ ही घंटों में ग्रैप-4 नियम लागू किए गए

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण तेजी से बढ़ ने के कारण वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने शनिवार को सुबह ग्रैप-3 लागू किया और शाम होते-होते ग्रैप-4 लागू करने की स्थिति बन गयी। ग्रैप, यानी चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना के चार चरण हैं जिनके तहत प्रदूषण कम करने के लिए जरूरी अलग-अलग उपायों को लागू किया जाता है। इसे लागू करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की है।

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार तक ग्रैप-2 लागू था। आयोग ने शनिवार सुबह ग्रैप-3 लागू करने का फैसला किया जिसमें और कड़े प्रतिबंधों तथा अधिक उपायों का प्रावधान है। हालांकि इसके कुछ ही घंटे बाद तेजी से बढ़ ते

■ **वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग ने कहा, एयर क्वालिटी इंडैक्स अति गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है तुरंत सुधार होने की संभावना नहीं है।**

प्रदूषण का हवाला देते हुए ग्रैप-4 लागू कर दिया गया।

आयोग ने शनिवार शाम जारी एक बयान में कहा कि शहर में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। दिल्ली में शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 431 दर्ज किया गया, जो धीमी हवा की गति, स्थिर वातावरण, खराब मौसम की स्थिति और प्रदूषकों के खराब फैलाव के कारण शाम छह बजे तक बढ़ कर 441 हो गया।

बयान में कहा गया है, ''एक्यूआई अति-गंभीर श्रेणी के करीब पहुंचने और मौसम की स्थिति में तुरंत कोई सुधार की संभावना न होने के कारण ग्रैप-4 के तहत सभी उपायों को तुरंत प्रभाव से लागू करने का फैसला किया गया है।''

ग्रैप-4 के उपाय तब लागू किये जाते हैं जब एक्यूआई 450 से ऊपर चला जाता है या उसके ऊपर जाने का अनुमान होता है। इसमें स्थानीय प्रशासन के फैसलों के आधार पर निर्माण गतिविधियों पर रोक, कुछ पुराने मानकों के वाहनों के प्रवेश पर रोक और स्कूलों को बंद करने जैसे सबसे सख्त प्रतिबंध शामिल हैं।

हिट एण्ड एन केस, आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मिहिर शाह शिवसेना के पूर्व नेता का बेटा है। शीर्ष कोर्ट ने टिप्पणी की कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और उसके पिता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। बेंच ने शुक्रवार को कहा, वह शेड में मर्सिडीज खड़ी करता है, बीएमडब्ल्यू निकालता है, उससे टक्कर मारता है और फरार हो जाता है।

'मोदी सरकार नाम बदलने में धुरंधर है'

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस ने सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना-मनरेगा का नाम बदलने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि पूरे देश को मालूम है कि नाम बदलने में मोदी सरकार धुरंधर है लेकिन अब यह भी साफ हो गया है कि उसे सिर्फ पंडित जवाहर लाल नेहरू से ही नहीं, बल्कि महात्मा गांधी नाम से भी नफरत है।

कांग्रेस ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर मनरेगा योजना चल रही थी और लंबे समय से इस योजना के तहत गांवों में लोगों को रोजगार मिल रहा है लेकिन अब गांधी शब्द हटाकर सरकार ने योजना का नाम बापू कर दिया है जिससे स्पष्ट हो गया है कि सरकार को

■ **मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तंज कसा।**

गांधी नाम से भी नफरत है।

पार्टी संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मनरेगा का नाम बदलने के निर्णय पर कहा, ''योजनाओं के नाम, कानून के नाम बदलने में मोदी सरकार धुरंधर है, इसका कोई मुकाबला नहीं है। निर्मल भारत अभियान को स्वच्छ भारत अभियान बनाया, ग्रामीण एलपीजी वितरण कार्यक्रम को उज्ज्वला नाम दिया... पैकेजिंग, ब्रांडिंग और नाम देने में ये धुरंधर है।''

उन्होंने कहा ''हैरानी इस बात की है कि पंडित नेहरू से तो इन्हें नफरत है लेकिन महात्मा गांधी से इतनी नफरत, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना 2005 से चल रही है... इसका नाम आप पूज्य बापू रोजगार गारंटी योजना कर रहे हैं, महात्मा गांधी नाम से क्या दिक्कत है।...''

पंकज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीयूष गोयल रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा करेंगे।

भारत पर लगे टैरिफ के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन, 13 दिसंबर। अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ओर से भारत से सामानों के आयात पर लगाये गये 50 प्रतिशत तक शुल्क को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव पेश किया है।

अमेरिकी सांसदों ने शुक्रवार को पेश किये गये इस प्रस्ताव में इन शुल्कों को अवैध बताया और कहा है कि इससे अमेरिकी श्रमिकों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचेगा। साथ ही अमेरिका-भारत संबंधों में भी तनाव पैदा होगा। यह प्रस्ताव रैप्रेज़ेंटेटिव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया।

रॉस ने कहा, ''उत्तर कैरोलिना की अर्थव्यवस्था व्यापार, निवेश और एक

■ **तीन सदस्यों ने कांग्रेस के निचले सदन, ''हाउस ऑफ रैप्रैज़ेंटेटिव'' में प्रस्ताव पेश किया**

■ **प्रस्ताव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी व राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया और ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को अमेरिका के लिए नुकसानदेह बताया।**

जीवंत भारतीय अमेरिकी समुदाय के ज़रिए भारत से गहराई से जुड़ी हुई है।'' उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियों ने राज्य में 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा का निवेश किया है, जिससे जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे सेक्टर्स में हज़ारों नौकरियाँ पैदा हुई हैं, जबकि उत्तर कैरोलिना के कारोबारी हर साल भारत को हजारों डॉलर का सामान मुहैया कराते हैं।

वेसी ने कहा, ''भारत एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है और ये अवैध टैरिफ उत्तरी टेक्सास के लोगों पर एक रोज़मर्रा का कर हैं जो पहले से ही बढ़ ती कीमतों से जूझ रहे हैं।''

भारतीय-अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने टैरिफ को नुकसानदायक बताते हुए कहा कि वे आपूर्ति श्रृंख्ला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुँचाते हैं, और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ ाते हैं। उन्होंने कहा कि शुल्क खत्म करने से अमेरिका-भारत आर्थिक और सुरक्षा सहयोग मज़बूत होगा।

यह प्रस्ताव कांग्रेसी डेमोक्रेट्स द्वारा ट्रंप के एकतरफा व्यापारिक कार्यों को चुनौती देने और भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों को फिर से ठीक करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। अक्टूबर की शुरुआत में रॉस, वेसी और कृष्णमूर्ति ने कांग्रेसी रो खन्ना और 19 अन्य सांसदों के साथ मिलकर राष्ट्रपति से टैरिफ नीति को पलटने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने का आग्रह किया था।

पार्टीशन के आठ दशक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनौती देती है। यह परोक्ष रूप से एक असहज ऐतिहासिक सच्चाई को स्वीकार करती है कि संस्कृत की दुनिया उन इलाकों तक फैली हुई थी, जो आज पाकिस्तान के भीतर आते हैं, और जिनका बौद्धिक व सांस्कृतिक संबंध कश्मीर से रहा है। सीमाओं के बनने से बहुत पहले, संस्कृत के शास्त्रीय ग्रंथ-दर्शन, महाकाव्य और टीकाएँ-इसी भूभाग में लिखे, पढ़े और आगे बढ़ाए गए। कश्मीर स्वयं संस्कृत अध्ययन का एक बड़ा केन्द्र था, जहाँ से कश्मीर शैव दर्शन जैसी प्रभावशाली परंपराएँ निकलीं, जिन्होंने घाटी से बहुत दूर भारतीय दर्शन को आकार दिया।

संस्कृत को अपनी ही विद्वत परंपरा के हिस्से के रूप में अपनाकर पाकिस्तान इस धारणा को कमजोर करता है कि सभ्यतागत इतिहास को मौजूदा राजनीतिक सीमाओं और दावों का साफ-साफ आईना होना चाहिए। इससे न तो पाकिस्तान का कश्मीर पर आधिकारिक रुख बदलता है और न ही

■ **क्या इसका यह अर्थ लगाया जा सकता है कि दक्षिण एशिया में शांति ज़मीन की मिल्कियत के बारे में समझौतों से नहीं, बल्कि उस साहस को स्वीकार करने से आएगी कि दोनों देशों की ऐतिहासिक धरोहर व पृष्ठभूमि में काफी समानताएं हैं, काफी ''ओवर लैपिंग'' है।**

भारत के क्षेत्रीय दावों को वैधता मिलती है। लेकिन यह कश्मीर को एक हथियारबंद एकल पहचान के बजाय, सदियों में बनी कई परतों वाली सभ्यता के रूप में देखने की बौद्धिक गुंजाइश ज़रूर खोलता है।

यह अंतर शांति के लिए मायने रखता है। कश्मीर आंशिक रूप से इसलिए भी अनसुलझा रहा है, क्योंकि वह दोनों पक्षों के लिए पहचान का प्रतीक बन चुका है, जहाँ बारीकियों या साझा स्मृतियों के लिए बहुत कम जगह बचती है। सांस्कृतिक कट्टरता राजनीतिक रुख को और कठोर बना देती है। इसके विपरीत, अकादमिक जुड़ाव जटिलता और ऐतिहासिक गहराई लाता है, वही तत्व, जो सुलह के लिए जरूरी है, लेकिन जिन्हें राजनीति अक्सर दबा देती है।

इसका एक शांत मानवीय पक्ष भी है। जब पाकिस्तानी विद्वान कश्मीर के बौद्धिक इतिहास से जुड़े संस्कृत ग्रंथों का गंभीर अध्ययन करते हैं, तो कश्मीर केवल नक्शे की समस्या नहीं रह जाता, बल्कि एक जीती-जागती, विवादित विरासत के रूप में सामने आता है। यह भारतीय पाठकों को भी चुनौती देता है कि वे ऐसे प्रयासों को खतरे या समझौते के रूप में नहीं, बल्कि साझा सभ्यतागत स्वामित्व के दावे के रूप में देखें।

ऐसे समय में जब कश्मीर पर औपचारिक बातचीत रूकी हुई है और भरोसा बढ़ाने के उपाय लगभग नहीं के बराबर हैं, इस तरह की पहलें इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये राज्य की औपचारिक राजनीति से नीचे के स्तर पर काम करती हैं। ये न तो सीमाएँ बदलती हैं और न ही विवाद सुलझाती हैं, लेकिन वे उस सभ्यतागत कठोरता को ढीला करती हैं, जो इन विवादों को स्थायी रूप से जमाए रखती हैं।

इस मायने में, लाहौर की संस्कृत की क्लास सिर्फ़ अतीत से जुड़ी बात नहीं है। यह एक गहरी आधुनिक धारणा पर सवाल उठाती है कि इतिहास भी, ज़मीन की तरह, विशेष रूप से एक ही कहानी का होना चाहिए।

एक साझा बौद्धिक विरासत को फिर से खोलकर, संस्कृत के साथ पाकिस्तान का यह जुड़ाव एक मामूली, लेकिन शक्तिशाली याद दिलाता है कि दक्षिण एशिया में शांति की शुरुआत शायद ज़मीन के समझौतों से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के मिले-जुले इतिहास को स्वीकार करने के साहस से हो सकती है।

'ग्राम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि पंचायती राज विभाग ने गत 10 जनवरी को पंचायती राज अधिनियम की धारा 101 के तहत पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्सीमांकन, नवसृजन और पुनर्गठन के लिए जिला कलेक्टर से प्रस्ताव मांगे थे। राज्य सरकार ने धौलपुर व करौली जिला कलेक्टर की ओर से भेजे गये प्रस्तावों को नहीं मानते हुए, गत 20 नवंबर को मनमाने तरीके से संबंधित ग्राम पंचायतों के मुख्यालय बदल दिए। इसके अलावा, करौली जिले से जुड़े मामले में पंचायत मुख्यालय करीब 14 किलोमीटर दूर कर दिया, जबकि नियमानुसार यह दूरी अधिकतम पांच किलोमीटर से अधिक नहीं हो सकती। याचिकाओं में कहा गया कि इन ग्राम पंचायत मुख्यालयों में पहले से ही राज्य सरकार से सभी कार्यालय मौजूद हैं। इसके बावजूद सरकार ने मनमाने तरीके से अधिसूचना जारी कर इनके मुख्यालय बदल दिए। उक्त मामलों पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मनरेगा हुआ खत्म, उसकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्ष 2022 से ही मनरेगा केन्द्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच टकराव का कारण बन गया था, जब केन्द्र सरकार ने योजना के कार्यान्वयन में कथित वित्तीय गड़बड़ियों का हवाला देते हुए राज्य को दी जाने वाली मनरेगा धनराशि रोक दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में केन्द्र को इस योजना को फिर से शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन इससे स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को केन्द्र के दिशा-निर्देशों के पेपर को फाड़ते हुए देखा गया था। मनरेगा को बदलते हुए, केन्द्र सरकार विपक्ष द्वारा आरोपित यह छवि मिटाना चाहती है कि केन्द्र विपक्ष शासित राज्यों को केन्द्रीय निधियों से वंचित कर रहा है। अभी तक, कांग्रेस मनरेगा योजना का श्रेय लेती रही है, तृणमूल कांग्रेस जैसी क्षेत्रीय और गैर-एनडीए पार्टियाँ केन्द्र सरकार पर राज्य को मनरेगा फंड से वंचित करने का आरोप लगाती रही हैं। इस एक्ट का नाम बदलकर और इसके दायरे को बढ़ाकर, एनडीए सरकार यह दावा कर सकती है कि उसने ग्रामीण रोजगार सृजन में यूपीए के मुकाबले अधिक काम किया है। अधिकारियों ने कहा, नए प्रस्तावित कानून की विशेषताएँ अभी स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह योजना विकसित भारत इंफ्रास्ट्रक्चर विकास योजना के तहत आएगी। पीबीजीआरजी के तहत प्राथमिकता जल सुरक्षा को दी जाएगी और काम विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं के तहत किया जाएगा, ताकि खेती के मौसम के दौरान श्रमिकों की कोई कमी न हो।

अपने गढ़ में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छोड़ दी, तो इससे पहले थरूर सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई उस बैठक से भी नदारद रहे, जहां पार्टी की शीतकालीन सत्र की रणनीति पर चर्चा होनी थी। वहीं अब अपने लोकसभा क्षेत्र तिरुवनंतपुरम में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत पर विरोधी दल को थरूर द्वारा बधाई देना भी चर्चा का विषय बन चुका है।

केरल स्थानीय निकाय चुनाव के परिणामों के बीच कांग्रेस नेता शशि थरूर का संसदीय क्षेत्र तिरुवनंतपुरम चर्चा का विषय बना गया है। कारण है, थरूर के संसदीय क्षेत्र में भाजपा की बढ़ त, जिससे कांग्रेस के लिए मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण बन गया है। ताजा अपडेट के अनुसार तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों के आए नतीजों में भाजपा समर्थित एनडीए ने 50 सीटों पर कब्जा जमाया है।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा-एनडीए को मिले जनादेश पर पीएम मोदी ने खुशी जताई है। अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने इसे केरल की राजनीति का निर्णायक मोड़ बताया।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908